

दिलजीत के शो, स्कूलों और पंजाब विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ और मोहाली में बम धमाके की घमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। घमकी भरे इमैल और संदेशों में कई स्कूलों, पंचायत विधानसभा और पंजाबी गायक के अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी शो को निशाना बनाने की बात कही है। मामले की गंभीरता के देखकर संबंधित एजेंसियां संदेशों की सत्यता और उनके स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। जानकारी के अनुसार, वायरल हो रहे घमकी की संदेशों में चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित एसआर किड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सेक्टर-44 के सेंट जेवियर स्कूल के अलावा मोहाली के कुछ स्कूलों का उल्लेख है। इसके साथ ही पंजाब विधानसभा परिसर को निशाना बनाने की घमकी दिए जाने का दावा है। वायरल इमैल के स्क्रीनशॉट में अक्टूबर से 27 नवंबर तक अलग-अलग स्थानों पर धमाके करने की चेतावनी होने की बात कही गई है। हालांकि, इन संदेशों में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में दिलजीत दोसांझ के आगामी म्यूजिकल शो का जिक्र होने से चिंता बढ़ गई है। संदेशों में कार्यक्रम को निशाना बनाने की घमकी देने का कार्या क्रिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां संभावित खतरों को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी हैं। फिकहाल यह स्पष्ट नहीं है कि घमकी भरे संदेश किसने भेजा और उनका उद्देश्य क्या है।

मायावती की कांग्रेस को नसीहत :
व्यक्तिगत हमले और जहरीली
राजनीति देशहित में नहीं



लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने भारतीय राजनीति में व्याप्त कटुता और व्यक्तिगत हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है उन्होंने बिना किसी का नाम लिए, विशेषकर कांग्रेस को परोक्ष रूप से नसीहत देकर कहा कि ऐसी विषैली और अमर्यादित राजनीति देश के लिए उचित नहीं है। बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा कि आज भारतीय राजनीति में आपसी अविश्वास, द्वेष और आरोप-प्रत्यारोप का स्तर व्यक्तिगत हमलों तक पहुँच चुका है। उन्होंने इस व्यवहार को असंसदीय, अमर्यादित, अपमानजनक, संकीर्ण और कभी-कभी हिंसक बयानबाजी तक पहुँचने वाला बताया, जो अत्यंत दुःखद और देश की गरिमा व मान-मर्यादा के लिए चिन्ताजनक है।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि यंत्र शीघ्र पदो पद बैठे लोगों को बीच आपसी सम्मान का अभाव है, तब भी आपतिजनक और विवेकी राजनीति को किसी भी प्रकार से बढ़ावा नहीं देना चाहिए। उनके मुताबिक, इस तरह की बढ़ती स्वाधीनता और राजकीय राजनीति से लोगों का भरोसा सार्जनिक व्यवस्था पर कमजोर हो रहा है, जो देश और जनहित के लिए शुभ संकेत नहीं है। मायावती ने जैश में बढ़ती गरिबी, बरोजगारी और महंगाई जैसी ज्वलंत समस्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही इन मुद्दों से बेचैन है, और इसके बाद नेताओं के बीच की नाक की आपसी लड़ाई स्थिति को और विषम बना रही है। जनता चाहती है कि सभी का ध्यान इन गंभीर समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। उन्होंने सभी पार्टियों और उनके नेताओं से आशोभनीय टीका-टिप्पणी व बयानबाजी की होड़ से बचना की अपील की। मायावती ने आगाह किया कि यह प्रवृत्ति राजनीतिक माहौल को और अधिक कड़वा व विषैला बनाएगी, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने इस दिशा में सभी से समुचित ध्यान देने का आह्वान किया।

सीएम फडणवीस का ऐलान: महाराष्ट्र के 1.5 करोड़ किसानों को मिलेगी 5,000 रुपये की सूखा राहत

पुर्बाई, एजेंसी । महाराष्ट्र में सूखे जैसे हालात और फसलों को हुए नुकसान के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने करीब 1.5 करोड़ किसानों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। राज्य सरकार पात्र किसानों को अग्रिम सूख राहत के रूप में 5,000 रुपये प्रति किसान देगी। इसके लिए कुल 7,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राहत राशि के वितरण में बैंक किसानों तरह की कटौती न करें और किसानों को पूरी रकम मिले।

कैबिनेट की बैठक में यह फैसला तब लिया गया है, जब राज्य के कई हिस्सों में किसान सूखे और आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। वर्षा में सीएम फडणवीस ने कहा कि 5,000 रुपये की सहायता को किसानों के पूरे नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती, लेकिन संकट के समय उन्हें तत्काल आर्थिक मदद जरूर मिलेगी। उन्होंने राज्य में किसानों को दी जाने वाली अग्रिम सहायता की महत्वपूर्ण पहल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कम जमीन वाले किसानों को कई बार केवल 1,000 रुपये तक की सहायता मिलती थी, जबकि अब पात्र किसानों को कम से कम 5,000 रुपये दिए

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा हरिद्वार प्रशासन, बूथों की सूची दो दिन में देने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मयूर दक्षिण ने उपजिलाधिकारियों और वरुड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव से जुड़े कार्य निष्पक्षित समयवशानुसार में पूरे किए जाएं और विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए। जिलाधिकारी ने जनपद में लाइसेंसों शराबों का सत्यापन कराने और नियमानुसार उन्हें जमा कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शस्त्र जमा कराने की प्रक्रिया

में निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन किया जाए, ताकि चुनाव के दौरान पालन-व्यवस्था बनाए रखने में कोई भी बाधा न आए। दुकानदारों और बैंकों में तैनात सुरक्षा कर्मियों के लाइसेंसों शस्त्रों के संबंध में भी नियमानुसार आवश्यक जानकारी और आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारियों ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों और बूथों का सत्यापन कराने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित उपजिलाधिकारियों को बूथों और खंड विकास अधिकारियों को बूथों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच कर सूची दो दिन के भीतर उपलब्ध कारगो के निर्देश दिए। इसके साथ ही सहायक निरीक्षण अधिकारियों (एआरओ) तथा जौनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती से

चुनावी धांधली के विरोध में रामलीला मैदान में जुटेगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली, एंजेंसी। इंडिया (इंडिया) गठबंधन 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व में रहे रहा यह आयोजन कथित चुनावी धांधली और मतदाता सूची से जुड़ी चिंताओं के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त विरोध प्रदर्शन का मंच बनेगा। इस महत्वपूर्ण शक्ति प्रदर्शन से पहले, कांग्रेस पार्टी तैयारियों में जोर-शोर से जुटी है।

तैयारियों के मद्देनजर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने 27 अक्टूबर को दिल्ली के नेताओं के साथ रामलीला मैदान का जायजा लिया। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने बताया कि दिल्ली का पूरा नेतृत्व व्यवस्थाओं में जुटा है और वेणुगोपाल के निर्देशानुसार तैयारियों की जा रही है। इस रैली में देशभर से इंडिया गठबंधन के सदस्य और नागरिक शामिल होंगे, जिसमें लगभग 21 राजनीतिक दलों के एकजुट होने की उम्मीद है।



हालांकि, वेणुगोपाल ने रैली से पहले पुलिस दखलदानी का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि अशोक होटल के लॉन में 30 अक्टूबर को प्रस्तावित एक तैयारी कार्यक्रम को पुलिस के दखल के कारण अनुमति नहीं मिली, और पुलिसकर्मियों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी दूसरी जगह कार्यक्रम को तैयारी करने से रोकने का भी आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों को मददता सूची और चुनावी गड़बड़ाइयों पर अपनी चिंताएं जाहिर करने से रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया, लेकिन जॉर्ज दिया कि इंडिया गवर्नधन उनके दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही अपने अगले कदमों की घोषणा करेगी। यह रैली इंडिया गवर्नधन के वोट चोरी अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाना है।

राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को लेकर प्रशासन सतर्क, देहरादून में सुरक्षा और सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा

देहरादून (शिखर समाचार)। राष्ट्रपति के आगामी 1 और 2 नवंबर 2026 को प्रस्तावित उत्तराखण्ड भ्रमण के मद्देनजर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों को विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि जनसुविधाओं के दौरे के दौरान सुरक्षा और जलसुविधाओं से संबंधित सभी इंतजाम संचारू बने रहें।

जलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने तथा अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुषंग सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त एंबुलेंस, आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं और अन्य संसाधन उपलब्ध रखने के



जिम्मेदारिय समय रहते निर्धारित की जा सके। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी दिशा-निर्देशों और व्यवस्थाओं को लेकर निर्देशों संवाद बनाए रखा जाए, जिससे पारदर्शिता और आपसी समन्वय सुनिश्चित हो सके। चुनाव के दौरान अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, रखवहन और बिक्री पर प्रभावी निगरानी परिवर्धन के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से नियमित जांच करने और अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्वाचन तैयारियों की

लगातार समीक्षा करने और सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समय से पूरी करने पर जोर दिया। बैठक में अगले जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट रुडकी दीपक रामचंद्र सेठ, नगर मजिस्ट्रेट हरगौर, उपजिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा, उपजिलाधिकारी भगवानपुर देवेश सिंह नेगी, एसएलओ आकाश जोशी, जिला आबकारी अधिकारी कैलाश बिनजोला, सहायक निर्वानचन अधिकारी अरुणेश पन्नेलू, खंड विकास अधिकारी लक्कर पवनिन भट्ट, रुडकी की खंड विकास अधिकारी सुमन कोटियाल, खानपुर के खंड विकास अधिकारी आलोक गर्गेश, पवन सेनी, तहसीलदार लक्कर दीवान सिंह राणा, तहसीलदार रुडकी विकास अस्थी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी, मेलाधिकारी सोनिका ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण



दौरान उन्होंने चौराहों और सड़कों के सुधार, सौंदर्यीकरण, फुटपाथ निर्माण, पेयजल व्यवस्था तथा घाटों के विकास कार्यों की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के

मानकों का पालन किया जाए और किसानों को भी स्तर पर अनावश्यक देरी न होने देना चाहिए, ताकि कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। देर शाम मेलाधिकारी ने प्रशासनिक मामलों

परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने चंडी चौक के निकट निर्माणाधीन दोहरी लेन वाले भूमिगत मार्ग की प्रगति की समीक्षा करते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण

टाइगर श्रॉफ पर हमले का खुलासा, बिश्नोई गैंग ने दहशत फैलाने रची थी साजिश

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता टाडगार शॉफ पर हूए जानलेवा हमले की गृहणी को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुलझा लेने का दावा किया है। पुलिस जांच में यह आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है कि इस हमले के पीछे किसी व्यक्तिगत दुश्मनी का मामला नहीं, बल्कि कुख्यात तेलिंग ब्रिगेड्स मुंबई गैंग का हाथ था। क्राइम ब्रांच के मुताबिक बिश्वेश्वरी ने फिल्म उद्योग में अपना वर्चस्व स्थापित करने, भारी ख़म की रंगदारी सुलझाने और समाज तथा सौलैंडिटीज के बीच दहशतवादी का माहौल पैदा करने के सोचे-समझे मकसद से इस वारदात को अंजाम दिया था। यह हमला एक संगठित अंतरराज्यीय अपराधिक गिरोह द्वारा अवैध और घातक हथियारों की मदद से पूरी योजना बनाकर किया गया था। यह सनसनीखेज घटना 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई के पॉपुलर इलाके जुहू में घटी थी। टाडगार शॉफ को अपराधी कार से एक फुटबॉल ग्राउंड के परिसर से बाहर निकल रहे थे, तभी हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर 18 अक्टूबर गोलियां चला दीं। इस गोलीबारी में टाडगार शॉफ बाल-बाल बच गए, हालांकि कार के कांच टूटने से उनके शिर और छाती पर हल्की खरोंच आई थी। इस हमले में टाडगार का ड्राइवर और पास में खड़ा एक अन्य ऑटो वाला गोली लगने से घायल हो गए थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया था। घटना के बाद मुंबई पुलिस ने विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमों और विशेष जांच इकाइयों के साथ मिलकर एक व्यापक तलाश अभियान शुरू किया। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया और अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सतर्क, देहरादून में सुरक्षा और सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा

निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विद्युत एवं पंचजल विभाग के अधिकारियों से भ्रमण के दौरान निर्वाध सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, सभी संबंधित व्यवस्थाओं को पहले से जांच करने और किसी भी संभावित व्यवधान से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए।

नगर निकायों और संबंधित विभागों को राष्ट्रपति के भ्रमण मार्गों तथा कार्यक्रम से जुड़े स्थलों पर साफ-सफाई को उचित व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया। जिलाधिकारी ने तैयारियों को नियमित

निरागरी करने और विभागों के बीच प्रभावित तालमेल बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैठक में अपर जिल्लास्ट्रेट प्रशासन सिप्ता परमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद, नगर मजिस्ट्रेट राकेश तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा, जिला पूर्व अधिकारी के. ए. अग्रवाल और अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग ओमपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य अधिकारियों ने वर्युअल माध्यम से बैठक में भाग लिया।

थेनी जेलब्रेक के बाद स्टालिन का हमला, तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल

चेन्नई, एजंसी । तमिलनाडु के थेनी जिले की जेल से 17 कैदियों के फरार होने की घटना ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। डीएनके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन ने विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधकर सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में हालात इसतरह के हैं कि लोगों को अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

पूर्व सीएम स्टालिन ने वंग्यात्मक पोस्ट के जरिए थलापति सरकार को आलोचना की। उन्होंने 'ब्रेकिंग न्यूज' और 'प्रिजन ब्रेक' जैसी टीवी सीरीज का जिक्र कर कहा कि तमिलनाडु में अब जेल से कैदियों के भागने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाना कि जब सरकार अपराधियों पर निराना रखने में नाकाम है, तब जेल के अंदर बंद कैदी भी आसानी से कैसे फरार हो रहे हैं।

डीएनके प्रमुख ने चेन्नई की पुडुल सेंट्रल जेल से



हाल ही में दो कैदियों के फरार होने की घटना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1995 के बाद एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कैदियों के भागने की यह संभवतः पहली घटना है। स्टालिन ने सवाल किया कि वर्ष 2026 में, जब सुरक्षा और निगरानी के साधन पहले से बेहतर हैं, तब ऐसी घटना कैसे हो सकती है। उन्होंने विजय सरकार को अश्रम बताकर आरोप लगाया कि राज्य में आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। स्टालिन के मुताबिक, बाहर अपराधी बेखोफ हैं और जेल के भीतर से कैदी फरार हो रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, थेनी की जिला जेल से अलग-अलग मामलों में सजा काट रहे 17 कैदी फरार हुए। घटना के बाद पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि फरार कैदियों में से एक को जेल के पास से ही पकड़ लिया गया। अन्य कैदियों की तलाश जारी है। इस घटना ने जेलों की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर गंभीर मुलाह खड़े कर दिए हैं।

कर्नाटक में एसआईआर के
बाद 1.08 करोड़
मतदाताओं के नाम कटे,
अंतिम मतदाता सूची जारी

[illegible]

जाएँगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अग्रिम राहत है और किसानों को बाकी मुआवजा बाद में मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि बैंक किसानों की सहायता राशि से किसी प्रकार की कटौती न करें।

सीएम फडणवीस ने विपक्ष की आलोचनाओं को जवाब देकर कहा कि जिस तरह महिलाओं के लिए लाडकी बहिन योजना के तहत 1,500 रुपये की सहायता की लेकर सवाल उठाए थे, उसी तरह किसानों को दी जा रही राशि पर भी आलोचना की जा रही है। उन्होंने कहा कि

जरूरत के समय मिलने वाली छोटी आर्थिक मदद भी जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इसके पहले मुख्यमंत्री ने बताया था कि राज्य में सूखे को स्थिति घोषित किए गए तालुकों की संख्या 265 से बढ़ाकर 305 कर दी गई है। महायुक्ति सरकार का कहना है कि फसल नुकसान और आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों को राहत पहुंचाने के लिए इस बार सहायता प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। अब किसानों को राहत राशि मिलने और आगे के मुआवजे की प्रक्रिया पर नजर रहेगी।

संक्षिप्त

समाचार

जन औषधि केंद्रों पर दवाओं का संकट

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के सरकारी अस्पतालों में संचालित जन औषधि केंद्रों पर दवाओं की कमी से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रों पर शुगर, ब्लड प्रेशर और सांस संबंधी बीमारियों की दवाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में मरीजों को आधी-अधुरी दवाएं लेकर लौटना पड़ रहा है। मजबूरी में उन्हें बाहर मेडिकल स्टोर से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं।

राजधानी के सभी सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में जन औषधि केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों पर दवाओं की आपूर्ति का जिम्मा सभालने वाली कंपनी नियमित रूप से स्टॉक उपलब्ध नहीं करा पा रही है। केंद्र प्रभारियों के मुताबिक, फिलहाल करीब 400 से 500 तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। सामान्य दवाओं की भी किश्त बनी हुई है।

पांच जिलों के बाढ़ प्रभावितों को मेजी दो हजार राशन किट

लखनऊ, एजेंसी। लायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 321-बी वन ने गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी और फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावितों के लिए दो हजार राशन किट भेजी है। कंबल भी भेजे हैं। राहत सामग्री से लंदे टुकों को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गोमतीनगर के 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर विधायक नीरज बोरा भी मौजूद रहे।

यह कार्य संस्था के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर परमजीत सिंह के नेतृत्व में किया गया। उप मुख्यमंत्री ने लायंस इंटरनेशनल के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर पूर्व गवर्नर मनोज रहेला, मुकेश जैन, कैबिनेट सचिव सुदीप कुलश्रेष्ठ, मुख्य सलाहकार प्रवीण कुमार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश बंसल, प्रथम उप मंडलाधीश दलजीत सिंह टोनी आदि मौजूद रहे।

समितियों पर ताला, किसान मायूस

मलिहाबाद, एजेंसी। सचिवों की हड़ताल से रहीमाबाद और अन्य समितियों पर कई दिनों से ताला लटक रहा है। रहीमाबाद के किसान संतोष ने बताया कि समिति पर ताला लगा होने से गोभी की फसल को नुकसान हो रहा है। वहीं, अनीस ने बताया कि निजी दुकानदार खाद महंगे दामों पर बेच रहे हैं। इससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सहायक विकास अधिकारी कृषि मानवेंद्र सिंह ने बताया कि हड़ताल के कारण किसानों को परेशानी हो रही है।

96.31 लाख रुपये से बनेगी बैमन से टीकरी तक सड़क

आगरा, एजेंसी। विधानसभा फतेहपुर सीकरी व विकास खंड अकोला क्षेत्र के ग्राम बैमन से टीकरी तक करीब 1.10 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग का 96.31 लाख रुपये की लागत से नव निर्माण कराया जाएगा। सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमि पूजन क्षेत्रीय विधायक चौधरी बाबूलाल ने सोमवार को किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जाने वाली इस सड़क से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विधायक चौधरी बाबूलाल व डॉ. रामेश्वर चौधरी का ग्रामीणों ने साफा व फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

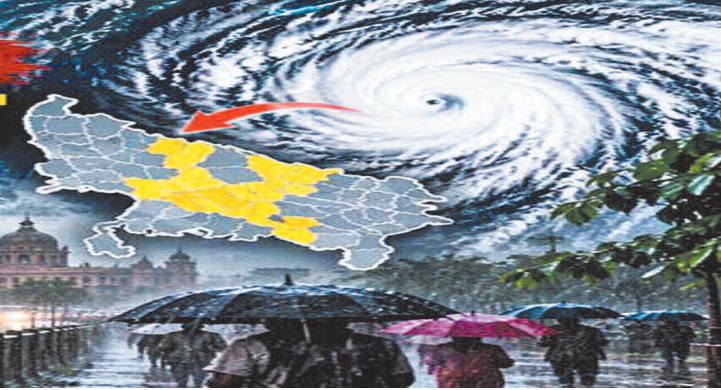
विधायक चौधरी बाबूलाल ने क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास ही प्राथमिकता है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम में रमाल पहलवान, रीतराम, रमेश, रामबाबू पूर्व प्रधान, जनक सिंह, हेम कुमार, भूरी सिंह, बनवारी लाल सुबेदार, शिबू पंडित, राववीर हवलदार, विजय सिंह पूर्व प्रधान, रमेश प्रधान रौझली, उदय सिंह प्रमुख बानपुर, केशव चाहर, अनिल चाहर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बोइंग 777 विमान उतारने की तैयारी

लखनऊ, एजेंसी। सऊदिया एयरलाइंस का विशालकाय जंबो जेट बोइंग बी 777 पहली बार लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे पर उतरेगा। इससे पूर्व वर्ष 2018 में बोइंग जंबो जेट बी-747 उतारा गया था। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या एसबी-892/893 के तहत विमान का संचालन किया जा रहा है। हत्ती विद्रोहियों के सऊदी पर हमले के चलते इन दिनों विमान सेवाएं बाधित हैं। सऊदी में लखनऊ व प्रदेश के लोग बड़ी संख्या में फंसे हुए हैं। ऐसे में उनकी आवाजाही के लिए जंबो जेट का संचालन करने की तैयारी की गई है।

चक्रवात की वजह से 28 से 31 अक्तूबर तक प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी

सक्रिय हुई सरकार; अलर्ट घोषित



लखनऊ , एजेंसी। चक्रवात ‘अर्णब’ के संभावित प्रभाव से उत्तर प्रदेश में 28 से 31 अक्टूबर के बीच बेमौसम बारिश, थरज-चमक और तेज हवाएं चलने की आशंका है। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय ने जनसामान्य और

किसानों के लिए सतर्कता संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 28 अक्टूबर को सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, गाजीपुर और बलिया में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 29 अक्टूबर को कई जिलों में भारी बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट है।

चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी और सुल्तानपुर सहित कई क्षेत्रों में वर्षा का अनुमान है। 30 अक्टूबर को पूर्वांचल, अवध और तराई के कई जिलों के साथ बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर में भी भारी बारिश व तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। इसके चलते दिन के तापमान में 5 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है।

राहत आयुक्त कार्यालय ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। आंधी-तूफान के दौरान पक्के भवनों में शरण लेने, पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं से दूर रहने व



22 चौराहों पर प्रदूषण बढ़ा, आईएसबीटी सबसे अधिक खतरनाक

आगरा, एजेंसी। शहर की हवा में जहर घुला हुआ है। आगरा स्मार्ट सिटी ने शहर के 39 चौराहों पर वायु निगरानी के लिए सेंसर लगाए हैं। इनमें से 22 पर पीएम-2.5 कणों की मात्रा ज्यादा पाई गई है। जनवरी से मई के बीच के आंकड़ों के आधार पर स्मार्ट सिटी ने नगर निगम को रिपोर्ट भेजी है। इन चौराहों पर ज्यादा प्रदूषण से दमा, खांसी, दिल की बीमारी और बच्चों-बुजुर्गों में सांस की तकलीफ बढ़ने की शिकायतें आ रही हैं। शहर में आईएसबीटी पर पीएम-2.5 कणों की मात्रा का औसत इस साल 555, शहीद नगर में 260, बुलियागंज में 232, इंदगाह में 227, दिल्ली गेट पर 213, बाग फरजाना में 84 है। इनमें आईएसबीटी, शहीद नगर, बुलियागंज में सूक्ष्म कण मानक से ज्यादा हैं। केवल बाग फरजाना में ही यह कम मिले। अधिवक्ता केसी जैन ने आगरा स्मार्ट सिटी के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए सभी सेंसरों का तकनीकी ऑडिट कराने की मांग की है। उन्होंने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उपकरणों से मानकों का मिलान कराने और आंकड़ों को कैलिब्रेट करने के लिए कहा है। इससे सही आंकड़े सामने आ सकेंगे। 30 दिन में कार्रवाई की रिपोर्ट सार्वजनिक करने और सड़क की धूल, खुले में कूड़ा जलाने, निर्माण स्थलों और जाम पर कार्रवाई की उन्होंने मांग उठाई है।

पंजीकरण नहीं दिखा सके संचालक, अलहिंद पॉली क्लीनिक सील

बरेली , एजेंसी। संचालन और पैनल में दर्ज चिकित्सकों के दस्तावेज न मिलने पर भोजीपुरा के जादौपुर स्थित अलहिंद पॉली क्लीनिक को सील किया गया है। संचालक को नोटिस देकर तलब किया गया है। दस्तावेज भी मांगे गए हैं।

सीएमओ कार्यालय से जारी नोटिस के अनुसार अवैध संचालन की शिकायत मिलने पर जांच टीम गठित की गई थी। निरीक्षण के दौरान संचालक की ओर से प्रैक्टिस से संबंधित शैक्षिक योग्यता और अस्पताल पंजीकरण के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। लिहाजा, पॉली क्लीनिक को सील कर दस्तावेज के साथ संचालक को कार्यालय में तलब किया है।

नोटिस में चेतावनी दी है कि निर्धारित तिथि पर उपस्थित ना होने, शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करने या संबंधित परिषद में पंजीकरण नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई होगी।

सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट और उत्तर प्रदेश शासन के आदेश पर अपंजीकृत, अनधिकृत चिकित्सकों और चिकित्सा इकाइयों की जांच की जा रही है। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। झोलाछापों पर अंकुश लगाने के लिए भी नोडल को निर्देश दिए गए हैं।



मामले में भी प्राधिकरण ने कार्रवाई की। टीम ने मौके पर पहुंचकर अनधिकृत रूप से विकसित की जा रही प्लॉटिंग को ध्वस्त किया। प्राधिकरण की कार्रवाई से बिना अनुमति भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में विकसित कर बेचने की गतिविधियों पर रोक लगाने का प्रयास किया गया है।

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग सुधारें विभाग, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

सहारनपुर (शिखर समाचार) । मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों, कर-करेत्तर व राजस्व संबंधी मामलों में प्रगति लाते हुए मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागों की रैंकिंग उच्चतम श्रेणी में पहुंचाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपनी कार्यशैली में सुधार करें और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सुनिश्चित करें। मंडलायुक्त मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों, कर-करेत्तर, राजस्व कार्यों और वादों की प्रगति की वर्युंअल माध्यम से मंडलीय समीक्षा कर रहे थे।

समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आर्थीशेला मिशन के अंतर्गत सहारनपुर को बी श्रेणी, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में शामिल को सी श्रेणी, जननी सुरक्षा योजना में मुजफ्फरनगर को बी तथा सहारनपुर को सी श्रेणी मिली। जल जीवन मिशन में मुजफ्फरनगर और सहारनपुर बी श्रेणी में रहे। परिवार प्हाचन पत्र योजना में मुजफ्फरनगर और सहारनपुर को सी तथा शामली को बी श्रेणी मिली। राज्य योजना में सहारनपुर और मुजफ्फरनगर को डी श्रेणी, जबकि नई सड़कों के निर्माण में तीनों जिलों को बी श्रेणी प्राप्त हुई। एक जनपद एक उत्पाद औजार वितरण एवं

बिजनौर में 55 लाख की शराब पकड़ी, 650 पेटियों के साथ ट्रक चालक गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार) । बिजनौर में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोतवाली देहात पुलिस, स्वाट और सर्वािलांस टीम ने संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 27 अक्टूबर को शादीपुर नहर पुलिसिया पर चेकिंग के दौरान एक ट्रक से 650 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ट्रक संख्या यूपी71टी7412 की जांच की गई। तलाशी के दौरान इम्पीरियल ब्लू शराब के 255 पेटी क्वार्टर, 150 पेटी हाफ और 135 पेटी पूरी बोतलों के अलावा आरएस शराब के 50 पेटी क्वार्टर तथा 60 पेटी हाफ बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक, शराब का परिवहन फर्जी बिलों के माध्यम से किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद आजीब पुत्र उमर



विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में खराब रैंकिंग पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। जननी सुरक्षा योजना की खराब प्रगति पर उन्होंने अपर निदेशक स्वास्थ्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा सहारनपुर के नोडल अधिकारी से स्पष्टीकरण लेकर वेतन रोकने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों के बाद संपर्क कर उसकी संतुष्टि का पता लगाया जाए। असंतोषजनक प्रतिक्रिया मिलने पर अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर जांच करें। लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राजस्व समीक्षा में बैठक से अनुपस्थित

बिजनौर में 55 लाख की शराब पकड़ी, 650 पेटियों के साथ ट्रक चालक गिरफ्तार

मोहम्मद निवासी ग्राम भाजलाका, थाना तावड़, जनपद नूंह मेवात, हरियाणा के रूप में हुई है। पृष्ठताछ में आरोपी ने बताया कि वह ट्रक चालक है। उसके अनुसार, राहुल नामक व्यक्ति ने ट्रक लाने के बदले 20 हजार रुपये और प्रतिदिन 500 रुपये देने की बात कही थी। शराब पहुंचाने पर अतिरिक्त 30 हजार रुपये देने का लालच भी दिया गया था। आरोपी ने पंजाब से ट्रक में शराब भरकर लाने की बात स्वीकार की, हालांकि शराब के वास्तविक मालिक की जानकारी होने से इनकार किया। पुलिस ने शराब के अलावा ट्रक, एक मोबाइल फोन और 2,050 रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में कोतवाली देहात थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 336(3), 340(4) तथा आबकारी अधिनियम की धारा 60, 63 और 72 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से डरें नहीं, इसे सीखकर बढ़ाएं अपनी क्षमता : विशेषज्ञ

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में कैंपस टू कॉर्पोरेट कार्यक्रम हुआ। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रोजगार की तैयारी, समूह चर्चा, साक्षात्कार और जीवनवृत्त तैयार करने के तरीके बताए। बदलती तकनीक के अनुरूप कौशल विकसित करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी उपयोग करने पर जोर दिया।

वि्वि के छात्र अभिषेखा के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अध्यक्षता करते हुए छात्र अभिषेखा प्रो. रंजन कुमार सिंह ने टीसीएस के प्रतिनिधियों से वि्वि के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आधुनिक तकनीक अपनाने हुए महामना के आदर्शों और मूल्यों के अनुरूप आगे बढ़ने का आह्वान किया। विज्ञान संस्थान के रोजगार एवं प्रशिक्षण समन्वयक प्रो. एसपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक और टीसीएस वाराणसी के केंद्र प्रमुख रवि कोहली ने विद्यार्थियों को कंपनी की रोजगार चयन प्रक्रिया में अधिकाधिक आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के साथ अपने कौशल और क्षमताओं को लगातार विकसित करना चाहिए। टीसीएस के क्षेत्रीय प्रमुख संदीप जोशी और सत्येंद्र यादव ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों के लिए कंपनी में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने समूह चर्चा, साक्षात्कार और जीवनवृत्त तैयार करने की प्रक्रिया को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के तरीके समझाए।

शहरी क्षेत्रों और उनके आसपास बिना स्वीकृत लेआउट के विकसित की जा रही कॉलोनियां भविष्य में बुनियादी सुविधाओं के लिए चुनौती बन सकती हैं। ऐसी कॉलोनियों में सड़क, जल निकासी, पार्किंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था नहीं होने से निवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, बिना आवश्यक दस्तावेजों और प्राधिकरण की स्वीकृति की पुष्टि किए भूखंड खरीदने वाले लोग भी कानूनी विवाद और आर्थिक नुकसान की आशंका में पड़ सकते हैं।

ऐसे में भूमि खरीदने से पहले संबंधित भूखंड की वैधानिक स्थिति, स्वीकृत लेआउट और आवश्यक मानचित्र की जानकारी प्राधिकरण से प्राप्त करना जरूरी है। एमडीडीए की ओर से 27 अक्टूबर को की गई कार्रवाई में तीन स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त की गई, जबकि दो स्थानों पर निर्माण सील किए गए। प्राधिकरण का यह अभियान अनधिकृत निर्माणों पर नियंत्रण और क्षेत्र में नियोजित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम है।



संपादकीय

चुनाव आयोग के हलफनामे से क्या थमेगा विवाद, या लोकतंत्र के सामने खड़े सवाल और गहरे होंगे?

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव करने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इस विचारसे से होती है कि चुनाव करने वाली संस्था निष्पक्ष है, उसके निर्णय प्रदर्शनी हैं और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत में चुनाव आयोग की संवैधानिक भूमिका इसी भरोसे पर टिकी है। लेकिन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और आयोग की आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया को लेकर उभरे सवालों ने एक बार फिर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने महत्वपूर्ण चुनौती खड़ी कर दी है। 27 अक्टूबर 2026 को उच्चतम न्यायालय में हुई कार्यवाही ने इस बहस को नया मोड़ दिया है। आयोग ने अपने 248 पृष्ठों के हलफनामे में आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि एसआईआर से संबंधित प्रमुख नियंत्रण तीनों सदस्यों की सर्वसम्मति से लिए गए थे और प्रपत्र-6 में कोई वैधानिक संशोधन नहीं किया गया। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को जवाब दखिल करने के लिए दस दिन का समय दिया है। इससे स्पष्ट है कि मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है, बल्कि अब तथ्यों, दस्तावेजों और कानूनी तर्कों की कसौटी पर आगे बढ़ेगा।

चुनाव आयोग का पक्ष भी गंभीरता से समझा जाना चाहिए। आयोग का कहना है कि उसके निर्णयों को एकतरफा बताने के आरोप उचित नहीं हैं और व्यक्तिगत दिव्यपणियों या अधिकारियों के बीच पत्राचार को अंतिम संस्थागत निर्णय के समान नहीं माना जा सकता। किसी भी संवैधानिक संस्था के विरुद्ध आरोपों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि राजनीतिक बयानबाजी के सहारे। लेकिन संस्थागत प्रक्रिया के संबंध में सवाल उठने पर केवल यह कहना पर्याप्त नहीं हो सकता कि अंतिम निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया था। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि निर्णय लेने से पहले संबंधित सदस्यों को जानकारी दी गई या नहीं, उनकी अपेक्षितों पर विचार हुआ या नहीं और प्रशासनिक स्तर पर जारी निर्देश किसकी स्वीकृति से लागू किए गए।

विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनाव आयोग सुखबौर सिंह संधू और विश्वक जौशी की उन टिप्पणियों से जुड़ा है, जिनमें निर्णयों तथा कुछ प्रशासनिक कार्रवाइयों के बारे में जानकारी मिलने और परामर्श की प्रक्रिया पर सवाल उठाए जाने की खबरें सामने आईं। आयोग के हलफनामे ने निर्णयों की सर्वसम्मति पर अपना पक्ष रखा है, लेकिन बहस केवल अंतिम सहमति की नहीं, बल्कि समय पर जानकारी, वास्तविक परामर्श और जवाबदेही की भी है। यदि किसी निर्णय पर आपत्त कार्रवाई के बाद दर्ज होती है, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि संबंधित सदस्य को पहले जानकारी क्यों नहीं मिली। दूसरी ओर, आंतरिक टिप्पणियों को अपने आप किसी निर्णय की अवैधता का प्रमाण भी नहीं माना जा सकता। निष्पक्ष निष्कर्ष के लिए पूरी प्रक्रिया और उसके दस्तावेजों की जांच आवश्यक है।

पत्र-6 का विवाद इस मामले को सीधे आम नागरिक के मताधिकार से जोड़ता है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए इस्तेमाल होने वाले इस पत्र के ऑनलाइन स्वरूप में एसआईआर से संबंधित घोषणा को शामिल किए जाने पर सवाल उठें हैं। आयोग का तर्क है कि वैधानिक पत्र में संशोधन नहीं किया गया, बल्कि अलग घोषणा को ऑनलाइन प्रक्रिया में जोड़ा गया था। हालांकि, आयोग ने यह भी स्वीकार किया है कि ऑनलाइन प्रस्तुति से ऐसा आभास हो सकता था कि पत्र में संशोधन किया गया है और कुछ प्रक्रियात्मक कदमों में सुधार की जरूरत थी।

~  मौलिक चिंतन  ~
 हार को अस्वीकार करने वाला ही जीत का
 हकदार होता है।
 ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~



©
विनय
संकोची



कांतिलाल मांडोत

फारुक अब्दुल्ल के विवादित बयानों से उठते सवाल और राष्ट्रीय हितों की कसौटी कश्मीर की पहचान और सुरक्षा का आधार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी...

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में फारुक अब्दुल्ल लंबे समय से प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। नेशनल काउन्सिल के अध्यक्ष और तीन बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके फारुक अब्दुल्ल के राजनीतिक बयानों का असर केवल प्रदेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी पड़ता है। उनके बेटे उमर अब्दुल्ल इस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में फारुक अब्दुल्ल का हाल बयान राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। हल ही में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाता है, इसलिए कश्मीर के लोग बचे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली से न्याय की उम्मीद नहीं है और दुनिया के दबाव के कारण दिल्ली चुप है। उनके इस बयान ने एक बार फिर राष्ट्रीय हितों, कश्मीर की पहचान और



विनोद सिंह 'तकियावाला'

12 वें ब्रिक्स संसदीय मंच का समापन; संयुक्त घोषणा पत्र में आतंकवाद के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई और समावेशी वैश्विक व्यवस्था पर

बल...

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विश्व की गंभीर चुनौतियों का स्थायी समाधान संघर्ष में नहीं, बल्कि संवाद में, युद्ध में नहीं बल्कि शांति में और सहयोग में ही संभव है। ओम बिरला ने कहा कि संघर्ष से अधिक सहयोग में निहित है। नई दिल्ली में आयोजित 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के संघर्ष, परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ अलग-अलग सचती हैं, लेकिन मानवता के कल्याण, शांति और समृद्धि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता समान है। यही ब्रिक्ससंघ की सबसे बड़ी शक्ति है। ओम बिरला ने सदस्य एवं भागीदार देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दिनों में मंच पर अन्यक महत्वपूर्ण विषयों पर सांथक विचार-विमर्श हुआ। ओम बिरला ने न केवल वर्तमान वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की, बल्कि भविष्य में सहयोग की नई संभावनाओं पर भी विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष और अस्थिरता के के साथ आर्थिक अस्थिरताएँ भी बनी हुई हैं। ऐसे समय में संवाद, विश्वास और सहयोग का महत्व पहले



फारूक अब्दुल्ल के विवादित बयान कोई नई बात नहीं है। नवंबर 2017 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा था कि वह पाकिस्तान के पास है और युद्ध करने से भी स्थिति नहीं बदलेगी। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और उसके परमाणु हथियारों का उल्लेख करते हुए भी बयान दिया था। इन विवादित-पणियों पर देशभर में राजनीतिक विवाद हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि ऐसे बयान पाकिस्तान के पक्ष को मजबूती देते हैं। दूसरी ओर, फारूक अब्दुल्ल ने अपने रुख को वास्तविक परिस्थितियों को स्वीकार करने और युद्ध के बजाय शांति का रास्ता अपनाने की जरूरत से जोड़कर प्रस्तुत किया। यहां वह समझना जरूरी है कि शांति की कवालत करना और पाकिस्तान के दावों को स्वीकार करने का संकेत बना दो अलग-अलग बातें हैं। जुलाई 2017 में कश्मीर विवाद के समाधान के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों की

संवाद, शांति और सहयोग से वैश्विक चुनौतियों का समाधान: ओम बिरला



से कहीं अधिक बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी विश्व बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जहाँ प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान हो, विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से किया जाए और विकास के अवसर सभी को समान रूप से उपलब्ध हों।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक शांति का वास्तविक अर्थ सभी के लिए सुरक्षा, सम्मान, न्याय और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। युवा पीढ़ी स्थायी वैश्विक का प्रत्येक नागरिक नेतृत्व से इसी प्रकार का भविष्य की अपेक्षा करता है। आने वाली पीढ़ियों देशों और उनके नेताओं का मूल्यकॉन इस आधार पर करेगी उन्हे जिनके लिए एकितना सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध विषय बनाया।संसदों की भूमिका को रेखांकित करते करते हुए बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनता की आशाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। संसद केवल कानून बनाने का जगह नहीं, बल्कि संसद, सहमति, विश्वासवादेही और जनविचार की संस्था भी है। विश्वभर में संसदीय व्यवस्थाओं के बावजूद नागरिकों के हितों की

भूमिका पर चर्चा करने संबंधी उनके बयान ने भी राजनीतिक बहस को जन्म दिया था। भारत का आधिकारिक रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय माध्यम से सुलझाए जाने चाहिए। ऐसे में तीसरे देशों की मध्यस्थता का सुझाव भारतीय कूटनीतिक नीति से अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की विदेश नीति की आलोचना करना गलत नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े विषयों पर बयान देते समय विधायी और संवैधानिक स्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है। अप्रैल 2017 में कश्मीर में पत्थरबाजी करने वाले युवाओं को लेकर फारुक अब्दुल्ल के बयान की भी विवाद का विषय बना था। उन्होंने युवाओं की नाराजगी और उनकी शिकायतों को सम्झने की जरूरत पर जोर दिया था। निश्चित रूप से युवाओं की समस्याओं को सुनना और उनके भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। बेरोजगारी, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम होना चाहिए। लेकिन युवाओं की समस्याओं को सम्झने और हिंसक गतिविधियों को उचित उहराने के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है। राजनीतिक नेतृत्व का दायित्व युवाओं को हिला से दूर करके लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ने में प्रेरित करना है।

फारुक अब्दुल्ल ने हालिया बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कभी भारतीय होने से इनकार नहीं किया और उनका भारत से जुड़ाव महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना आजाद के भारत से रहा। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सत्ता के लिए हिंदू-मुसलमान को आपने-सामने किया गया।

सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना देश के प्रत्येक

राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी भी नेता को धार्मिक आधार पर राजनीति के आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक कार्यकाल और अपनी पार्टी की भूमिका को भी आत्मचिन्ता करना चाहिए। कश्मीर की पहचान किसी एक धर्म, दल या नेता तक सीमित नहीं है। इसमें कश्मीरी पंडितों का विस्थापन, आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की पीड़ा, सीमावर्ती नागरिकों की कठिनाइयाँ और सभी समुदायों की आकांक्षाएँ शामिल हैं।

प्राकृत अद्वुष्ट के बयानों की आलोचना करते समय उनके राजनैतिक विचारों और उनके समुदाय के प्रति भावनाओं को एक ही नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी नेता की मंश पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के बजाय उसके सार्वजनिक बयानों, नीतियों और उनके प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण होना चाहिए। लोकतंत्र में असमर्पित का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार भाषा का प्रयोग भी उनका ही महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर का समस्याओं का समाधान केवल राजनैतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकलेगा। केंद्र सरकार को नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान करना चाहिए, रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। प्रेक्ष के राजनीतिक नेतृत्व को भी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, खेल और उद्यमिता से जोड़ना चाहिए, ताकि वे हिंसा तथा कट्टरता के प्रभाव से दूर रह सकें। अंतिकवाद और सीमा पार से होने वाली हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ निर्यंत्र नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

निवादी के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई है। इसमें आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध समन्वित एवं ठोस कार्रवाई का आह्वान भी किया गया है। घोषणा पत्र में संसदीय सहयोग, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक वैश्विक व्यवस्था के महत्व को भी रेखांकित किया गया है।

ब्रिक्स की व्यपक भूमिका पर उन्होंने कहा कि यह समूह विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और विकास के अनुभवों के एक मंच पर लाता है। इसकी सफलता केवल तब तक संभव है जब तक कि प्रगति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका सकारात्मक प्रभाव व्यपक विश्व समुदाय तक पहुँचना चाहिए। विशेष रूप से ग्लोबल साइट्स के देशों की आकांक्षाओं को वैश्विक निर्णय प्रक्रियाओं में उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्देश्य किसी के विरुद्ध खड़ा होना नहीं है, बल्कि समस्याओं को साथ लेकर आगे बढ़ना होना चाहिए। ब्रिक्स अधिक समावेशी, संतुलित और न्यायसंगत विश्व व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। और मजबूत बना है। वह कि समूह के निर्माण का समापन हो रहा है, लेकिन सहयोग की साझा यात्रा जारी रहेगी। नई दिशे से दुनिया को यह संदेश जाना चाहिए कि संवाद और संयोजन बन रहे, विश्वास मजबूत हो और सहयोग ठोस परिणामों में बदले। उन्होंने वर्ष 2027 के लिए ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण करने वाले चीन को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सहयोग की यह यात्रा आगे बढ़ेगी। अंत में लोकसभा अध्यक्ष ने सभी पीठासीन अधिकारियों, प्रतिनिधिमंडलों और विशेष अतिथियों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने साझा संकल्प व्यक्त किया कि विकास मानवता की सेवा करे, तकनीक मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाए और संसदें शांति, सहयोग तथा समृद्धि की सभाएं आवाज बनें।

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

A portrait of Dr. Anil Kumar, a man with dark hair and a mustache, wearing a light blue shirt.

ललित गर्ग

खड़गे कांग्रेस के
वरिष्ठ नेता हैं और लंबे
राजनीतिक अनुभव के
साथ पार्टी के राष्ट्रीय
अध्यक्ष की जिम्मेदारी
निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति
से सार्वजनिक मंच पर
अधिक संयम और
विवेक की अपेक्षा
स्वाभाविक है।
राजनीतिक सभा में
कोई प्रतिकूल टिप्पणी
हो जाए, तो उसका उत्तर
तर्क, तथ्य और
आत्मविश्वास से दिया
जा सकता है।

लो कतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब मतभेद व्यक्तिगत भावना, पारिवारिक टिप्पणियों और व्यक्तिगत अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का प्रभाव गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावशाली विचारों के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अश्लील टिप्पणियों अश्वथ मस्तिष्कज्ज्वल खड्डों के पटना में दिए गए विवादवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मवाद पर गंभीरता वाला खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार सरकार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड्डों की एक टिप्पणी ने राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, 'मोदी का पता प भी जाएगा।' इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। भाजपा के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि 'मैं उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई।' इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्षों पर अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध का मतभेद का यही तरीका होना चाहिए?

इसके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। संस्था के व्यक्तियों से सावजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक के अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और तर्कनिष्ठनिष्ठता से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब विवेकहीन संवेधों और परिवार तटवर्ध जाय, तब मुद्दे की भीतरता पीछे छूट जाती है और शब्द का विवाद मुख्य भाषाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द के विवाद वक्ता की आकांक्षाल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सावजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादस्पद कथनों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है।

जून 2007 में सोनिया गांधी ने गुरजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदगर' शब्द का प्रयोग किया। 11 वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अग्रवाल की 'मौत का सौदगर' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद



पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की संदर्भ में मोड़ दिया। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक सिद्धांत और विचारों को ही दखले रही है, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव अक्सर प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता को आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसने व्यक्तिगत उपाहास का विषय बनाना आवश्यक समझना ज़रूरी है?

प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनके सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखी आलोचना हमने देखी है। यह थाना रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अन्यायित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विषय का सार्वजनिक दायित्व है। समरथा तब उठन होती है, जब नीतिगत असमर्थता को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाता लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यह कांग्रेस के सामने एक बड़ा चुनौती है। विषय के रूप में उसकी सांस्कृतिक

बात से तब होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कानिना प्रभावों विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएँ, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विवरण प्रस्तुत करना उनका महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बाँट, बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे धुँधने का खतरा रहता है। इससे विचारों की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र की अपेक्षा लायक नहीं मिलती। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्ति और कानिना वैश्विक संस्कृतिगत भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएँ, विचार देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं राजनीतिक साक्षात्कारों की ओर बढ़ती के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आसलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिक्तों से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुदृष्टता इसी में है कि नेतृत्व की उल्लंघनियों का सम्मान हो

और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बन जाती है। यह भी व्याकरणहीन है कि किसी ने तो विरुद्ध जितने अधिक व्यक्तिकार और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके सम्बंधकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निकलना निकलना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं—नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवारों का गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएँ। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपने आप आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विवरणों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपने मतदाता जनता तक पहुँचाने से सँभलने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाषा को भी केवल व्यक्तिगत विवादों के विवादोदासद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने प्रभावशाली रहना चाहिए।

राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करने का एक जबरन शक्ति है। सामंजसिकता में संतुलन खोजते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति का और तेज कर देता है, जहाँ किसी बयान का छेड़-सा अंश पूरे विश्व पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और उप की परिभाषा विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंदी को अपमानित करना और उसके तर्कों को पर्याप्त दूर दो अलग बातें हैं। लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस उसकी भाषा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति नहीं है, कांग्रेस को आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों और नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकांश है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खुड़ो हों या सप्तासिधायक अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे अस्थमहति को अपना न मानें न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी तो नेता बदलेंगे और दलों की स्थिराया बदलेगी, लेकिन सामाजिकजनक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कुटुरा की नहीं संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तित्व अपमान की नहीं।



मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

● मनोविज्ञानी ● मनोचिकित्सक ● समाज सेवक ● काउंसलर ● शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ● मानव संसाधन प्रबंधक ● अध्यापक ● अनुसंधान भूमिकाएं ● मीडिया भूमिकाएं ● मनोविज्ञान में करियर मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पॉर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सकेंगे। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिटाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते हैं तो आइये जानते हैं इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती हैं।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस



इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

इस प्रकार है

- ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशियल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए हैं उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छीयूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते हैं तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते हैं। जिनमें परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद

डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवॉंस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवॉंस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग ?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें ?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।



शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और

विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्प्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

अगर आप सबसेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्प्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्प्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्प्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्प्युनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

कम्प्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्प्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नहीं है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्प्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्प्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्प्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए। आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्प्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों की बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्प्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्प्युनिकेशन कर रहे हैं, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ



पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्प्युनिकेशन स्किल

उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्प्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेसशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज

करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्प्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।



रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्प्युनिकेशन स्किल को इम्पूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्प्युनिकेशन के कुछ वरड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वरड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्प्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वरड्स सीखिए। इससे आपकी कम्प्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वाइंट टू प्वाइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वाइंट टू प्वाइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंप्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिसरेरिटी और इंटररेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्प्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्प्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।



जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को नकारा

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, हालांकि ऐसी खबरें हैं कि हॉकी इंडिया 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों के तहत चार वरिष्ठ खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने की तैयारी कर रही है। जरमनप्रीत का नाम उन चार खिलाड़ियों की सूची में शामिल होना है जिन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है, यह एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कम से कम लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है।

विंग-बैक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो उच्च परिश्रम, आक्रामक

जर्मनप्रीत का मूल्य

जारमनप्रीत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक टीम में बनाए रखने का उनका दावा उस भूमिका से और मजबूत होता है जिसे उन्होंने अपने पूरे करियर में बखूबी निभाया है। भारत ने विंग-बैक के तौर पर कई अन्य खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन 30 वर्षीय जरमनप्रीत की कार्यकुशलता, आक्रमण में योगदान और रक्षात्मक कौशल का मेल कुछ ही खिलाड़ी कर पाए हैं। इन्हीं खूबियों के चलते वे मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के पसंदीदा खिलाड़ी बन गए थे और जरमनप्रीत का नाम अवसर टीम में शीर्ष पर होता था। पिच के दोनों छोर पर योगदान देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है, और इसी वजह से उन्हें टीम से बाहर करने की संभावना पूर्व खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जरमनप्रीत ने 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। उनके नाम दो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक भी हैं, क्योंकि वह 2022 और 2026 में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता का मानना है कि एक डिफेंडर के रूप में उनका विकास जारी है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने के बजाय उन सुधारों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाया, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम के प्रदर्शन में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर काम करना जारी रखूंगा और आगे सुधार करने का प्रयास करूंगा।'

क्षमता और रक्षात्मक अनुशासन का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम के सदस्य रहे इस डिफेंडर ने पीटीआई को बताया कि वह भारत के लिए खेलना जारी रखना चाहते हैं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। जरमनप्रीत, मनदीप सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांता शर्मा सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए अपना अंतिम मैच खेल सकते हैं। 'मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं,' जरमनप्रीत ने पीटीआई को बताया। हॉकी इंडिया कथित तौर पर लॉस एंजिल्स 2028 को ध्यान में रखते हुए टीम में धीरे-धीरे बदलाव करने की योजना बना रही है।

जर्मनप्रीत की नज़रें अधिनियम के शीर्षक पर हैं

पांच बार की चैंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। लेकिन जरमनप्रीत ने आत्मविश्वास में कमी न आने की चेतावनी देते हुए कहा कि एशियाई खेलों में हालिया सफलता के बावजूद टीम को हर मैच में अपनी ही तीव्रता से खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और हम यहां भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, हालांकि भारत हॉकी में एक मजबूत टीम है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरी ताकत के साथ खेल रहे हैं और एशिया की नंबर एक टीम हैं, लेकिन हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को कम नहीं आंकेगे। हम टूर्नामेंट में एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'

मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की कप्तान होंगी

लाहौर। विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान की कप्तानी होंगी। आयशा जफर उपकप्तान होंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 10 टीमों के बीच 12 से 25



नवंबर तक अजमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। पाकिस्तान टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2025 में हुई थी। टीम में मुनीबा और आयशा के अलावा पांच और बल्लेबाज-इमान नसीर, इमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन और शवाब जुल्फिकार हैं। गुल फिरोजा, जिन्हें हाल ही में नेशनल विमेंस टी20 टूर्नामेंट में श्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज चुना गया था, को भी शामिल किया गया है। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नशरा सुंधू गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगी। उन्हें स्पिनर मोमिना रियासत, तुबा हसन और उमम-ए-हानी का सहयोग मिलेगा। तस्मिया रुबाब और वहीदा अख्तर फ्रंटलाइन पेस ऑप्शन हैं। पाकिस्तान अपने नियमित कप्तान फातिमा सना के बिना खेलेंगी। सना इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेल रही होंगी। टीम के पिछले असाइनमेंट से 12 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि सदफ शमास और वहीदा अख्तर को वापस बुलाया गया है। पाकिस्तान, जिसने हाल ही में जापान में एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, को ग्रुप बी में डिफेंडिंग चैंपियन थाईलैंड, बांग्लादेश, नोदरलैंड्स और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। ग्रुप ए में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान यूएई शामिल हैं।

पाकिस्तानी टीम

मुनीबा अली सिद्दीकी (कप्तान, विकेटकीपर), आयशा जफर (उपकप्तान), इमान नसीर, इमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन, शवाब जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन, उमम-ए-हानी, वहीदा अख्तर।

शामिल किया गया है। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नशरा सुंधू गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगी। उन्हें स्पिनर मोमिना रियासत, तुबा हसन और उमम-ए-हानी का सहयोग मिलेगा। तस्मिया रुबाब और वहीदा अख्तर फ्रंटलाइन पेस ऑप्शन हैं। पाकिस्तान अपने नियमित कप्तान फातिमा सना के बिना खेलेंगी। सना इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेल रही होंगी। टीम के पिछले असाइनमेंट से 12 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि सदफ शमास और वहीदा अख्तर को वापस बुलाया गया है। पाकिस्तान, जिसने हाल ही में जापान में एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, को ग्रुप बी में डिफेंडिंग चैंपियन थाईलैंड, बांग्लादेश, नोदरलैंड्स और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। ग्रुप ए में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान यूएई शामिल हैं।

अरशद शेख एशियन पैरा गेम्स के दौरान हुई इंजरी से रिकवर कर रहे हैं

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के टाइम ट्रायल के दौरान हुए क्रैश में लगी चोटों की सर्जरी के बाद भारतीय पैरा-साइक्लिस्ट अरशद शेख ठीक हो रहे हैं। शेख के बाएं फीमर में डिस्केल्ड फ्रैक्चर के बाद उनका शिजुओका प्रीफेक्चर के चुटोएन जनरल मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। यह चोट शेख के लिए



ख़ास तौर पर गंभीर है, जो घुटने के ऊपर से एंज्यूटी (अंगहीन) है और चलने-फिरने तथा कॉम्पिटिशन के लिए प्रोस्थेसिस पर निर्भर है। जापान में भारतीय एंबेसडर नगमा मोहम्मद मलिक सोमवार को एथलीट से मेडिकल फैसिलिटी में मिली और उनके जल्दी ठीक होने की कामना की। उन्होंने शेख और उनकी टीम को यह भी भरोसा दिलाया कि जब तक उन्हें घर लौटने के लिए मेडिकली क्लियर नहीं किया जाता, तब तक भारतीय एंबेसी जरूरी मदद देगी। खेल मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एंबेसी के साथ कोऑर्डिनेट कर रहे हैं और एथलीट के साथ रेगुलर कॉन्टेक्ट में हैं, ताकि यह पक्का हो सके कि उसे ठीक होने के दौरान जरूरी सपोर्ट मिले।

कोहली ने हैरी केन को 'बैलन डी'ओर' के लिए दी बधाई

कहा- आप इस सम्मान के हकदार हैं



नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के फुटबॉल कप्तान हैरी केन को प्रतिष्ठित बैलन डी'ओर अवॉर्ड से सम्मानित होने पर बधाई दी है। विराट ने कहा कि केन इस अवॉर्ड के हकदार हैं।

इंग्लैंड के कप्तान ने फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे और स्पेन के लामिन यामाल जैसे खिलाड़ियों को हराकर यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीता। केन को यह अवॉर्ड लंदन पैलेडियम थिएटर में हुए समारोह में दिया गया। वह सर स्टेनली मैथ्यूज (1956), सर बॉबी चार्लटन (1966), केविन कीगन (1978 और 1979), माइकल ओवेन (2001) के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले सिर्फ पांचवें अंग्रेज खिलाड़ी हैं। केन पिछले 25 साल में बैलन डी'ओर का खिताब पाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं।

केन ने 2025/26 में बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के लिए 36 गोल किए, जिससे स्ट्राइकर को दूसरा यूरोपियन गोल्डन शू मिला, जबकि जर्मन जायंट के लिए सभी कॉम्पिटिशन में उनके 61 गोल ने दुनिया



भर में सुर्खियां बटोरें।

उन्हें गर्द मूलर ट्रॉफी भी मिली, जो साल के बेस्ट मेन्स स्ट्राइकर को दी जाती है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने यह अवॉर्ड जीता है, इससे पहले 2024 में उन्होंने काइलियन एम्बाप्पे के साथ यह अवॉर्ड साझा किया था। इंग्लिश स्ट्राइकर ने बायर्न म्यूनिख और इंग्लैंड के साथ गोल से भरा सीजन खेला, जिसमें उन्होंने 65 गेम में 73 गोल किए-जिनमें से 61 उनके क्लब के लिए और 12 उनके देश के लिए आए। केन के योगदान से इंग्लैंड फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान पर रहा। 1966 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद इंग्लैंड का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

'हैरी, मेरे दोस्त...', कोहली ने कही दिल की बात

कोहली ने एक्स पर लिखा, 'हैरी मेरे दोस्त, इतने सालों तक टॉप पर फुटबॉल खेलते हुए जिस लगन, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से तुमने खुद को संभाला है, उसके लिए तुम इस अवॉर्ड के हर तरह से हकदार हो। तुम्हारे लिए सच में बहुत खुश हूं। भगवान तुम्हें और तुम्हारे परिवार को आशीर्वाद दें। वे सभी तुम पर बहुत गर्व करते होंगे, जैसे तुम्हें अपने सफर पर गर्व होता होगा। मेरी शुभकामनाएं हमेशा। बधाई हो।'

सूर्यवंशी पर वलूजर का बड़ा बयान

'भारत को मिल गया अगला सुपरस्टार'

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लॉस क्लूजरन का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में अगले दौर में आसानी से प्रवेश करने की क्षमता है। उन्होंने शुभमन गिल का समर्थन करते हुए कहा कि वे आने वाले कई सालों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भविष्य के संभावित सुपरस्टार के रूप में पहचाना है, जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। क्लूजरन ने कहा कि कोहली और रोहित के कद को देखकर भारतीय क्रिकेट को अपनी अगली पीढ़ी को अपनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस खेल ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं जो अपने पूर्ववर्तियों की विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम रहे हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 लीग में 'अरेबियन एसेस' के मुख्य कोच हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान 'आईएनएस' से कहा, 'विराट और रोहित अतीत में जितने शानदार रहे हैं, एक न एक दिन उन्हें खेल से विदा लेनी ही होगी। लेकिन क्रिकेट की खूबी यही है कि यह चलता रहता है। कभी-कभी तो यह और भी मजबूत हो जाता है। जब हम खेलते थे, तो लोगों को कभी नहीं लगा था कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड कभी टूट पाएंगे। और अब लोग उन रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहे हैं। इसलिए, खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। यह एक दुखद दिन होता है जब आपके खेल और देश के दिग्गज खिलाड़ी संन्यास लेते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमेशा युवा, अधिक फिट और तेज खिलाड़ी तैयार रहते हैं।' पूर्व ऑलराउंडर ने गिल को बल्लेबाजी में एक 'असली सुपरस्टार' बताया और कहा कि इस युवा कप्तान के लिए अगली चुनौती एक लीडर



के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भारत के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका से अलग रखना होगा। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे पूरा यकीन है। मुझे लगता है कि वह इस काम के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। बल्लेबाजी में वह एक असली सुपरस्टार हैं। उनके लिए बस यह सीखना जरूरी है कि एक बल्लेबाज के रूप में शुभमन गिल और एक कप्तान के रूप में शुभमन गिल की भूमिकाओं को कैसे अलग रखा जाए। सभी बेहतरीन कप्तानों ने इन दोनों चीजों को अलग-अलग रखना सीखा है। मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करने के लिए कई मौके मिलेंगे और कई लोग होंगे जो उनकी मदद करेंगे, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि बल्लेबाजी में वह बेहतरीन हैं। और कप्तानी की बात करें तो, अनुभवी कप्तानों को भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उनके साथ भी ऐसा ही होगा। इसलिए, मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि वह एक सुपरस्टार हैं।

उम्मीद है कि वह आने वाले कई सालों तक बहुत साहस और एक बड़े मकसद के साथ भारत के लिए खेलेंगे।' गिल का एक लीडर के रूप में सामने आना ऐसे समय में हुआ है जब भारत कोहली और रोहित के बाद के दौर की तैयारी कर रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भले ही उनके संन्यास लेने से एक बड़ी कमी महसूस होगी, लेकिन क्लूजरन का मानना है कि इस बदलाव को खेल के एक स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के लिए किसी खतरे के रूप में। उन्होंने सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा की एक नई पीढ़ी पहले से ही सामने आ रही है।

न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ तीसरा रेड-बॉल मैच खेल सकते हैं पंत

बुमराह की वापसी के आसार

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 7 से 10 नवंबर तक लंका में न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ होने वाले भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेल सकते हैं, क्योंकि समय रहते पंत के 'साइड स्ट्रेन' से उबरने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में श्रीनगर में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाने के दौरान पंत को बाई तरफ खिंचाव आ गया था, जिसके बाद से वे मैदान से दूर हैं। इस चोट के कारण वे दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाए और न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो चार-दिवसीय मैचों से भी बाहर रहे। पता चला है कि पंत बेगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहब कर रहे हैं और उन्होंने हल्के स्क्विट-आधारित अभ्यास शुरू कर दिए हैं। 'आईएनएस' को एक सूत्र ने बताया, 'पंत ठीक हो रहे हैं और अगर उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाता है, तो वे भारत 'ए' के तीसरे मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो वे नवंबर के शुरुआती दिनों में न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। 'पंत की गैरमौजूदगी में, चयनकर्ताओं ने पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को उनकी जगह टीम में शामिल किया था। हाल ही में, जब झारखंड के कप्तान ईशान किशन को न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए चुना गया, तब उन्हें (ईशान को) दाएं पैर के ऊपरी हिस्से (एडक्टर) में हल्की चोट लग गई थी। ऐसे में कुशाग्र को कवर के तौर पर टीम में बुलाया गया। माना जा रहा है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेलते नजर आ सकते हैं, जो लंका के बर्ट सटकिफफ ओवल में खेला जाना



प स ष ङ् कू ष ण ।। न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए वनडे मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह खेल से दूर थे। पंत, बुमराह और प्रसिद्ध न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

का की कू घ ड
छ के को हा

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यवसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

मा नी मू ने मो
रा टी टू टे

मान प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। चित्तवीर्य वातावरण से युक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

रा टी रु रे रो
ता ती तू ते

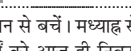
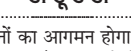
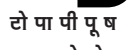
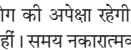
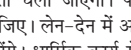
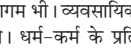
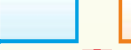
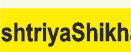
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

ये यो गा भी मू
धा फा डा डे

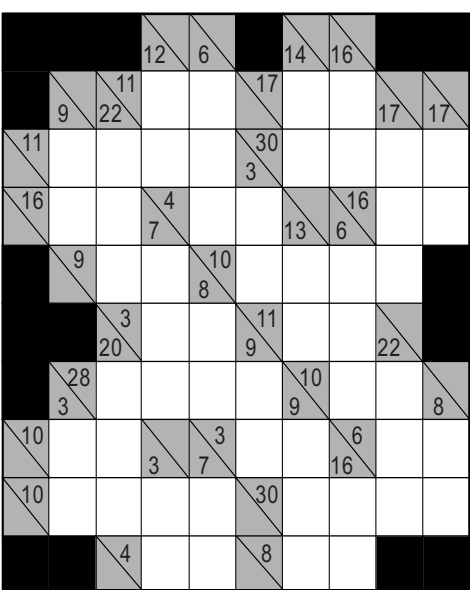
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिन्ता, संतान को कष्ट, अपय्य के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

पू ने गो सा
सी सू से सो वा

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

इ उ ए ओ वा
वी वू वे वोही हू हे हो डा
डी डू डे डोकी की कू घ ड
छ के को हामा नी मू ने मो
रा टी टू टेकन्या
रो पा पी पू ष
ण ठ पे पोरा टी रु रे रो
ता ती तू तेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टेमा नी मू ने मो
रा टी टू टे

काकुरो पहेली - 4052



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के

अंक लिखकर नीचे से ऊपर व

दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग

के आधे वर्ग की संख्या से मेल

खानी चाहिए, किसी भी अंक

का उस जोड़ में पुनः उपयोग

नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

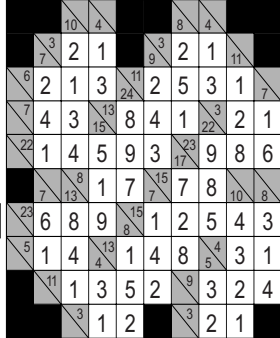
1+2=3

1+3=4

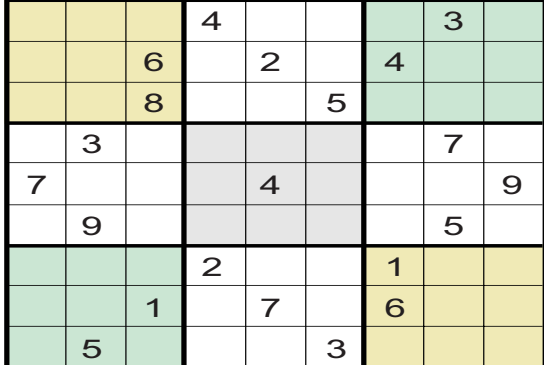
7+9=16

8+9=17

काकुरो - 4051 का हल



सुडोकु -4052



सुडोकु -4051 का हल



लॉफिंग जॉन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ'।

उनमें से एक युवक ने चड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे हैं। यहाँ से जल्दी भागो वरना अंदर कर दूँगा।

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब भी काट ली?

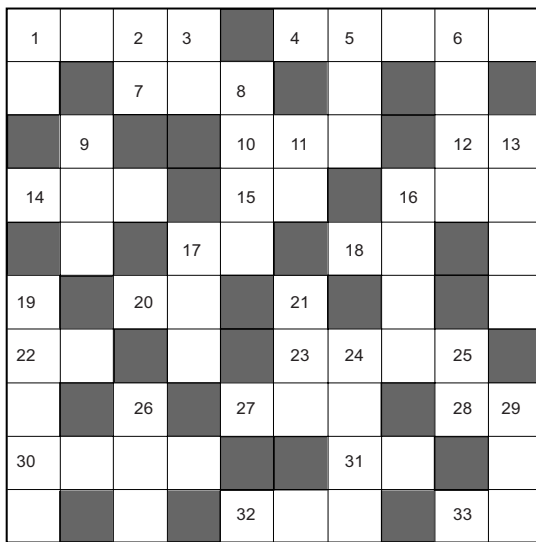
प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- सुधिश्रि भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोऊँगी! खूब खेले जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रोपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 4052



ऊपर से नीचे:-

1. 'सुहानी चौदनी रातें' गीत वाली सजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
2. रितिक रोशन, करिष्मा कपूर की 'मैं नाचू बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
3. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
4. बिनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
5. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
6. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
7. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
8. अमिताभ, रबनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
9. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, हिमल की फिल्म-४
10. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम हो' गीत वाली फिल्म-४
11. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
12. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में तुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
13. 'ओ गुडिया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फहा की फिल्म-३
14. अनिल धवन, रेहमा की 'दिल बेचैन रहा तुम बिना' गीत वाली फिल्म-२,२
15. 'इस दुंदुबि दल की पोर' गीत वाली फिल्म-२
16. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या की फिल्म-३
17. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

बायें से दायें:-

1. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
2. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊँ' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजंती की फिल्म-२,१,२
3. गुरुदत्त, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
4. 'चो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उर्दता, शमिता की फिल्म-३
5. 'अमूल स्टार वॉर्स ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है? २-३
6. 'मोरी रे मोरी मे' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
7. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सोमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
8. 'ऑकों में तू होखे में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
9. नसीर, अतुल अग्रहोत्री की 'बंद होखे से जो' गीत वाली फिल्म-२
10. 'पहली बारिश में और' गीत वाली कुमार गौल, माधुरी की फिल्म-२
11. संजय, शरद, मोनी की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
12. 'दिल चिच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
13. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
14. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
15. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जग सोनिये सुन जग' गीतवाली फिल्म-२
16. 'लड्के ने लड्की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जुही की फिल्म-४
17. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
18. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिष्मा, सोनाली की फिल्म-३
19. नाना, अजय, फर्दीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4051



बाएँ से दायें

1. बलवान, ताकतवर-४
2. गाल, कपोल (ऊर्द)-४
3. अनाज, धान-२
4. अवन्ति-३
5. जीवन तत्व-२
6. पुलिसकर्मी-४
7. भीगा हुआ-२
8. धर्मडी, अभिमान-४
9. दर्शन-३
10. अजदहा, शायलू-४
11. वायु रोग-२
12. दोस्त, सखा-३
13. खाब, स्वप्न-३
14. अपशिष्ट पदार्थ-२
15. जंगल की आग-४
16. पुत्र, लड्का-३
17. पैगंबर, महापुरुष-४
18. राय, वोट-२
19. आफिस, दफ्तर-४
20. बीज, बीर-२
21. घर, भवन-३

ऊपर से नीचे

1. एक छोटी डबलरोटी-२
2. धर्मेन्द्र, जीनत की एक फिल्म जो हारे की चोरी पर बनी थी-४
3. मौसम, ऋतु-२
4. खोदना-३
5. छुट्टी, अवकाश-२
6. उदास, दुखी-४
7. पंख, पराया-२
8. जहीनत-४
9. आवश्यकता-४
10. अभिमान, गरूर-२
11. अग्नि, अनल-२
12. विदा, होना-३
13. कुशल-३
14. फलों का रस-२
15. संगम, मिलना-३
16. वायदा-२

शब्द पहेली - 4051 का हल



जानकारी

खाने से जुड़ी इन 9 आदतों को अपनाकर मानसून में खुद को रखें स्वस्थ



■ उबला पानी मानसून में बेहद जरूरी है, यह पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और कीटाणुओं को मारने में मदद करता है। यह मानसून में आपको हाइड्रेड रखने में मदद करता है, क्योंकि इस मौसम में उमस होने के कारण हमारे शरीर का काफी पानी पसीने के जरिए बाहर निकल जाता है।

■ कम या मीडियम नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें। ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थ खाने से वॉटर रिटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर हो सकता है।

■ इस उमस भरे मौसम में शरीर की पाचन क्षमता कम हो जाती है। इसलिए इस मौसम में तला हुआ खाना खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे बदहजमी और पेट में परेशानी हो सकती है। इस मौसम में उबले या ग्रील्ड खाद्य पदार्थ अच्छे होते हैं। कच्चे खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए, खासतौर पर सड़क किनारे बने हुए स्टॉलस और ठेलों पर मिलने वाले कटे हुए फल, सब्जियों और जूस आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल इन जगहों पर कैसा पानी इस्तेमाल किया जा रहा है, यह बात मायने रखती है, क्योंकि दूषित पानी के इस्तेमाल से कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं।



मानसून के दौरान फल शरीर की ऊर्जा को बनाए रखते हैं। इसलिए इस मौसम में अनार, आड़ू, नाशपाती और आम जैसे फल खाने का सुझाव दिया जाता है।

■ सड़क किनारे मिलने वाले खरबूज, तरबूज और लस्सी जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें, इनको खाने से पेट में इन्फेक्शन हो सकता है और पानी के जरिए पित्त जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है।

■ हरे पत्तेदार या जड़ वाली सब्जियों को खाने या बनाने से पहले अच्छी तरह धोएं। स्वस्थ रहने के लिए इस मौसम में एंटीऑक्सिडेंट्स युक्त करेला, मौसमी बैरी और सीताफल जैसी सब्जियाँ खानी चाहिए, यह हमें इन्फेक्शन से तो बचाती ही है साथ ही हमारी इम्युनिटी को भी मजबूत करती है। दूसरी तरफ हरे पत्तेदार या जड़ वाली सब्जियों को खाने या बनाने से पहले अच्छी तरह धोएं।

■ सी फूड, मछली, कच्चे या आधे पके अंडों का सेवन न करें, क्योंकि यह पेट के लिए भारी होते हैं और इनके सेवन से पाचन क्रिया भी धीमी होती है। इनकी जगह खिचड़ी और सूप जैसी चीजें पचाने में ज्यादा आसान होती हैं।

■ मसालेदार और खट्टे पदार्थों को खाने से भी परहेज किया जाना चाहिए। इनको खाने से शरीर के तापमान में वृद्धि होती है, जिस वजह से एलर्जी और स्किन इरिटेशन, पित्तवृद्धि व रैशिस जैसी समस्या हो सकती है।

■ शहद, अदरक और काली मिर्च जैसी एंटी बैक्टीरियल हर्बल चाय का सेवन जरूर करें। इनके अंदर अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट होते जो इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं।

सुझाव

दिन में 3 कप से ज्यादा कॉफी पीना हो सकता है खतरनाक



एक ताजे अध्ययन में बताया गया है कि एक दिन में सिर्फ 2 कप कॉफी पीना सुरक्षित माना जा सकता है। दिन में 3 कप या इससे ज्यादा कॉफी पीने के कारण व्यक्ति को माइग्रेन का खतरा हो सकता है। जानें क्यों खतरनाक है माइग्रेन का दर्द।

अगर आप कॉफी पीने के शौकीन हैं, तो दिन में कई कप कॉफी पीते हैं, तो सावधान हो जाएं। कॉफी दुनियाभर में पिया जाने वाला पेय है। आमतौर पर दिन में 1-2 कॉफी पीना सामान्य होता है। मगर कुछ लोग दिमाग को तरो-ताजा करने के लिए या थकान और स्ट्रेस दूर करने के लिए दिन में कई कप कॉफी पी जाते हैं। हाल में हुई एक अध्ययन में बताया गया है कि एक दिन में 3 कप से ज्यादा कॉफी पीना आपके लिए खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे आपको माइग्रेन का खतरा हो सकता है।

कार्यालय मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, हापुड़।

फ्रांका 1141/गढ़ मेला-2026/2026-2027 दिनांक 27-10-2026

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20.11.2026 को गढ़ मेला-2026 में आयोजित होने वाले हार्स थो के आयोजन के लिये पण्डाल, बैरिकेटिंग, फर्नीचर, विद्युत/प्रकाश तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु अति अल्पकालीन निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म/नियम व शर्तें मिलने स्थान/समय- कार्यालय मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, विकास भवन, हापुड़, कमरा नं०-27/दिनांक 28.10.2026 से 03.11.2026 तक अपराह 12:00 बजे तक निविदा खुलने का स्थान/समय- कार्यालय मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, विकास भवन, हापुड़, कमरा नं०-29/ अपराह 03:00 बजे

(डा०ओ०पी० मिश्रा)

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी
हापुड़।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +
50% Extra

(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)

Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001

Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/





ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइल 'घूसखोर पंडित' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेंट एक्टरों को सही मौके न देकर उनका टैलेंट बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री के 'बुरे कर्म' हैं, जो एक्टरों को तबाह कर देती हैं। खुद अपने बारे में उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है। 'सत्या' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के 'बुरे कर्मों' का जिक्र करते हुए कहा, 'इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टैरियोटाइप किया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन टैलेंट को बर्बाद कर

दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।' मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक कलाकार का लालच या उसकी भूख है, और मुझे खुशी है कि मेरे अंदर अभी भी कुछ कर दिखाने की वह आग बाकी है।' मनोज के मुताबिक, एक कलाकार के अंदर हमेशा कुछ नया करने की चाह होती है। उन्हें खुशी है कि इतने लंबे करियर के बाद भी उनके अंदर बेहतर काम करने और नए किरदार निभाने का जुनून बना हुआ है। मनोज बाजपेयी ने माना कि उन्होंने भी अपने करियर में इस तरह की सोच का सामना किया है और इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना

पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेचेनी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि हम आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से घिरे हैं और पदानुक्रम में बहुत विश्वास करते हैं। वह मुख्य अभिनेता है, वह मुख्य अभिनेत्री है, यह एक कैरेक्टर एक्टर है, यह एक सपोर्टिंग एक्टर है, इन्हीं आधारों पर हम एक पदानुक्रम तय कर देते हैं। मैं खुद इस दौर से गुजरा हूँ और मैंने व्यक्तिगत स्तर पर कई लड़ाइयाँ लड़ी हैं, लेकिन मुझे खुशी है कि जैसा कि दिव्या ने बिल्कुल सही कहा अब ऐसा नहीं है।' मनोज बाजपेयी का मानना है कि ओटीटी

प्लेटफॉर्मों के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टरों के साथ काफी नाइसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'

दर्शक अब कहानियों और किरदारों को बारीकी से समझते हैं

ओटीटी के प्रभाव पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'आज परिवार साथ बैठकर कंटेंट देख रहे हैं। वे बहुत बारीकी से चीजों को समझते हैं और उन पर विस्तार से बात करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं किसी डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) या उनके परिवार के साथ बैठता हूँ, तो वे जिस तरह से किसी किरदार और कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, वह वाकई हैरान कर देने वाला होता है। उन्हें बिल्कुल पता होता है कि कहाँ क्या कमी रह गई। किसी भी क्रिटिक की समीक्षा सुनने के बजाय, मुझे इन आम दर्शकों की बातें सुनना कहीं ज्यादा अच्छा लगता है।' मनोज के मुताबिक, आज दर्शक फिल्मों और वेब सीरीज को पहले से ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वे कहानियों और किरदारों की बारीकियों को समझते हैं और अपनी राय खुलकर रखते हैं।

डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर

दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस

एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धुपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में डिजिटल क्रिएटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है। एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शक उनकी फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए। प्राजक्ता ने कहा, 'ज्यादातर जगहों पर मैं थोड़े कॉन्फिडेंस के साथ जाती हूँ, क्योंकि सोशल मीडिया पर मेरी अपनी कम्युनिटी है। मैं यह बात विनम्रता के साथ कहना चाहती हूँ कि मुझे जो काम मिला है, उसके लिए मैं

बहुत आभारी हूँ। जब मैं 'जुगजुग जिओ' कर रही थी, तब वह मेरी सबसे बड़ी फिल्म थी। उसमें बड़े कलाकार और शानदार स्टारकास्ट थी। लेकिन, मेरे दिमाग में यह नहीं था कि पता नहीं वे लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं।' उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करें। मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छा लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की अहमियत कम नहीं होनी चाहिए।' प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जोहर, मनीष पौल और वरुण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। एक्ट्रेस ने कहा, 'डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे फिल्मों में काम करते समय भी आत्मविश्वास दिया। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने काम से उन लोगों का दिल जीत सकूँ, जो लंबे समय से मुझे फॉलो कर रहे हैं और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मेरे काम को देखते हैं।'

करण टैकर ने शुरू की नए प्रोजेक्ट की शूटिंग!

सुंबई एक्टर करण टैकर ने अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू कर दी है और इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। करण ने शूट के पहले दिन की बिहाइंड द सीन्स तस्वीर पोस्ट करते हुए एक ऐसा नोट लिखा, जिसने उनके नए सफर को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'एक नया प्रोजेक्ट, एक नया चैप्टर और एक बड़ा रिस्क। अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन कभी-कभी सबसे बड़े रिस्क ही सबसे रोमांचक सफर की शुरुआत करते हैं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है।' करण की इस पोस्ट में शूटिंग के शुरुआती दिनों की झलक देखने को मिली। हालांकि, उन्होंने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी डिटेल्स को सीक्रेट ही रखा है, लेकिन उनके कैप्शन से साफ है कि वह इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटड हैं। स्कॉटलैंड में कैमरा रोल हो चुका है और अब फैंस को इंतजार है कि आखिर इस बार करण क्या नया लेकर आने वाले हैं। इस बार करण का लुक भी काफी बदला-बदला नजर आ रहा है। बड़े हुए बाल और घनी दाढ़ी के साथ उनका रफ-टफ अंदाज चर्चा में है। नए प्रोजेक्ट के साथ उनका यह नया लुक भी फैंस की उत्सुकता बढ़ा रहा है। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो स्कॉटलैंड में शूटिंग शुरू होने के साथ करण टैकर के पास कई और प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं। यानी आने वाला वक्त उनके लिए काफी बिजी और दिलचस्प रहने वाला है। फिलहाल, फैंस को करण के अगले अपडेट का इंतजार करना होगा, क्योंकि इस नए प्रोजेक्ट के पते अभी पूरी तरह खुले नहीं हैं!

रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जोहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में पहुंची। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली ट्रोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न लेंगे। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सेंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सेंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूँ। इसलिए मेरा एक्सेंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है।' अभिनेत्री ने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे आर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सूट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टर्स ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें।

एक्शन ड्रामा फिल्म 'प्रताप' में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल, फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रदीप रंगनीय और यूवी फिल्मस द्वारा प्रस्तुत इस आगामी एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने ईशा देओल का कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह पूनम के किरदार में नजर आ रही हैं। पूनम की कहानी जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों, आत्मखोज और मुश्किल हालात में सामने आने वाली अंदरूनी ताकत को दर्शाने का वादा करती है। पूनम के लिए उसका परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है और उसने अपनी जिंदगी उन रिश्तों और विश्वास के आधार पर बनाई है, जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। लेकिन तब क्या होता है, जब जिस सच्चाई पर उसने हमेशा भरोसा किया, वही बिखरने लगती है? ऐसे हालात का सामना करते हुए, जो उसके विश्वास और सोच को चुनौती देते हैं, पूनम को अपने पैरों पर खड़े होकर उस ताकत को पहचानना होगा, जिससे वह अब तक अनजान थी। हालांकि, उसके सफर से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उसका किरदार एक ऐसे भावनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है, जो उसकी अब तक की पहचान से कहीं आगे जाती है। ईशा देओल का यह कैरेक्टर पोस्टर हाल ही में जारी किए गए फिल्म के मोशन पोस्टर के बाद सामने आया है, जिसमें अमित साध एक जांबाज एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के किरदार में नजर आए हैं, जो खुद कानून के दूसरी तरफ खड़ा हो जाता है। सत्ता, न्याय और अपने फैसलों के परिणामों की पड़ताल करती 'प्रताप' की कहानी में जहाँ व्यक्तिगत संघर्षों के साथ-साथ हाई-स्टेक्स ड्रामा भी देखने को मिलेगा, वहीं, पूनम का सफर फिल्म की कहानी में एक मजबूत भावनात्मक पहलू जोड़ता है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमित साध और ईशा देओल के अलावा तिमशांशु धूलिया, सीमा बिस्वास और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

05 फरवरी को दस्तक देगी हर्षवर्धन राणे की 'सिला'

नए साल में हर्षवर्धन राणे के नए तेवर देखने को मिलने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल जून में दस्तक देगी। इस बीच एक और फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। अभिनेता की

आगामी फिल्मों की लिस्ट में 'सिला' का नाम भी शामिल है। हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सिला' एक्शन से भरपूर एक रोमांटिक फिल्म है। आज इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें हर्षवर्धन इंटेस लुक में नजर आ रहे हैं। यह अगले साल मोहब्बत वाले महीने यानी फरवरी में रिलीज होगी। पोस्टर के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म 05 फरवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

कल्पना से भी परे होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इसकी कहानी को लेकर संकेत दिया है। यह सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर एक्शन-रोमांटिक फिल्म होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'किस्मत से परे प्यार। हद से परे एक सफर और कल्पना से भी परे एक कहानी।' 'सिला' की तलाश शुरू।

कौन-कौन होगा फिल्म का हिस्सा

बता दें कि फिल्म 'सिला' का निर्देशन उमंग कुमार ने किया है। इसमें 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा की नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। 'सिला' फिल्म में हर्षवर्धन को विराट नाम के किरदार में देखा जाएगा। वहीं, सादिया खतीब भी फिल्म का हिस्सा है।

संक्षिप्त

समाचार

परदेसमें भारतीय महिलाओं का सहारा बनी लेडीज कॉर्नर, सुशीला शर्मा हक की अगुवाई

बर्लिन, एजेंसी। परदेस में अकेलेपन का दर्द समझने वाली चार भारतीय महिलाओं ने 40 साल पहले जो एक संस्था बनाई थी, उसका पूरा सफर अब एक किताब में दर्ज हो चुका है। मुंबई से बर्लिन पहुंची सुशीला शर्मा हक की अगुवाई में लेडीज कॉर्नर बर्लिन ने चार दशक पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर संस्था की सदस्य कविता पाल ने विशेष स्मारिका 40 ग्लोरियस ईयर्स ऑफ लेडीज कॉर्नर बर्लिन तैयार की और इसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को खुद भेंट किया। स्मारिका जर्मनी में भारत के राजदूत अजित गुप्ते को भी सौंपी गई। सुशीला शर्मा हक ने भारत में टाटा इंस्टीट्यूट से समाजसेवा की पढ़ाई की थी। बर्लिन पहुंचकर उन्होंने देखा कि वहां भारतीय समुदाय की गतिविधियां भारत मजलिस के इर्द-गिर्द सिमटी थीं, जिसे यूरोप की पहली भारतीय संस्था माना जाता है। वहां ज्यादातर पुरुष ही जुटते थे और महिलाओं को केवल तीज त्योहारों पर बुलाया जाता था। सुशीला ने उन पुरुषों की पत्नियों और महिला मित्रों से एक-एक कर संपर्क साधा। 1985 में सुशीला ने सुधा कोठारी, डोरा सैमुएल और छाया सेनगुप्ता के साथ मिलकर लेडीज कॉर्नर की नींव रखी। यहां अब वै धार्मिक उत्सव, मनोरंजन से लेकर रोजमर्रा की परेशानियों पर खुलकर चर्चा कर सकती थीं। संस्था का दायरा बढ़ा गया। भारतीय महिलाओं को हर तरह की मदद दी गई और विदेश में भाषा, संस्कृति, त्योहार व संस्कार जीवित रखे गए। सुशीला कहती हैं कि चार दशक पूरे कर चुकी संस्था लेडीज कॉर्नर जर्मनी की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था का हिस्सा है। कविता पाल ने स्मारिका में इन चार दशक की यादें, तस्वीरें, प्रेरक कहानियां और उपलब्धियां पिरोई हैं। वह कहती हैं, यह स्मारिका आने वाली पीढ़ियों के लिए एक धरोहर है।

सेना का दावा- 218 लड़ाके और कमांडर मारे गए, अब तक 78 सैन्य वाहन भी तबाह

अदन, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ सेना ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने का दावा किया है। यमन के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रवक्ता



माजिद अब्दुल्ला अल-नुजैली के मुताबिक, 'डॉन ऑफ यमन' अभियान के तहत पिछले 24 घंटे में 753 सटीक हमले किए गए। इन हमलों में करीब 218 हूती लड़ाकों और मैदानी कमांडरों को मार गिराया का दावा किया गया है। सैन्य प्रवक्ता ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना ने हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों, आपूर्ति मार्गों और उनके कमांड नेटवर्क को निशाना बनाया। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य विद्रोहियों की सैन्य गतिविधियों और दोबारा संगठित होने की क्षमता को कमजोर करना था। अल-नुजैली ने बताया कि हमलों में मैदानी कमांड और नियंत्रण केंद्रों, सैन्य ठिकानों, किलेबंदी, हथियारबंद समूहों और विद्रोहियों की मदद के लिए भेजे जा रहे अतिरिक्त बलों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, उनके परिवहन और आपूर्ति के साधनों पर भी कार्रवाई की गई। सेना के प्रवक्ता के अनुसार, इन हमलों से हूती विद्रोहियों की आवाजाही और युद्ध के मोर्चों तक सैन्य संसाधन पहुंचाने की क्षमता प्रभावित हुई। इससे सरकारी बलों को अलग-अलग मोर्चों पर आगे बढ़ने और अभियान चलाने में मदद मिली। यमन की सेना ने अभियान में हूती विद्रोहियों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

ब्राजील में लूला की वापसी: बोल्सोनारो ने हार मानने से किया इनकार, चुनावी नतीजे रद्द करने की उठाई मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने अपने प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को हराकर जीत हासिल की। इस जीत के साथ देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और चुनाव रद्द करने की मांग उठाई। लूला की जीत को लैटिन अमेरिका की राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में वामपंथी विचारधारा वाले नेताओं की स्थिति मजबूत हुई है। करीब 44 लाख वोटों से

मिली जीत ब्राजील के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद लूला को कुल 51.8 फीसदी वोट मिले। उन्होंने बोल्सोनारो को करीब 44 लाख वोटों से पीछे छोड़ दिया। नतीजों की घोषणा के बाद लूला के समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। साओ पाउलो में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए, जबकि रियो डी जनेरियो में गाड़ियों के हॉन बजाकर जीत का जश्न मनाया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने कहा कि उनकी पार्टी ने



लोगों को यह समझाने में सफलता हासिल की कि ब्राजील में लोकतंत्र की रक्षा के लिए मतदान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किए गए विदेशी हस्तक्षेप को भी मात मिली है। लूला ने साफ कहा कि

ब्राजील किसी दूसरे देश का पिछवाड़ा नहीं है और देश अपने फैसले खुद लेने में सक्षम है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार देश चलाने के तरीके में बदलाव करेगी और फैसले लेने की प्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी, ताकि जनता की आवाज को अधिक महत्व मिल सके। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने मतदान का समय बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे असाधारण कदम बताते हुए नतीजों को रद्द करने की मांग की। हालांकि, मतदान का समय बढ़ाने की मांग दोनों उम्मीदवारों की ओर से की गई थी। लूला के समर्थकों ने कुछ

शहरों में बसों से मतदान केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी की शिकायत की थी, जबकि बोल्सोनारो के समर्थक इलाकों में भारी बारिश के कारण दिक्कतें सामने आई थीं। मतदान खत्म होने से कुछ मिनट पहले ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस क्रिस्टियानो जैनिन ने मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का आदेश दिया। इस फैसले से कई मतदान केंद्रों पर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। कुछ जगहों पर वोटिंग मशीनें बंद हो चुकी थीं, जबकि कई केंद्रों पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर भ्रम बना रहा। इसके चलते मतदानपना में भी देरी हुई। बोल्सोनारो के सहयोगियों ने

फैसले पर सवाल उठाए और जस्टिस के पुराने राजनीतिक संबंधों का जिक्र किया। इस चुनाव में महंगाई, रोजगार और अपराध जैसे मुद्दों का खास असर देखने को मिला। बोल्सोनारो ने अपराध पर अखंड बरतने और रोजगार की चीजों की कीमतें कम करने का वादा किया था। दूसरी ओर, लूला ने सामाजिक कल्याण योजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को अपने प्रचार का अहम हिस्सा बनाया। पहले दौर में पिछड़ने के बाद लूला ने अपने अभियान में बदलाव किया और युवाओं समेत अलग-अलग वर्गों के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश की।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव: अमेरिका और ट्रंप के विरोधी लूला की जीत, दूसरे दौर के मतदान के बाद आए नतीजे

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर के लिए मतदान



के बाद नतीजे आ चुके हैं। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को बहुमत मिला है। जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो के साथ कड़े मुकाबले के बीच लूला ने जीत दर्ज की। दोनों उम्मीदवारों को जनवरी में देश का अगला राष्ट्रपति बनने के लिए 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने थे। लूला 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल करने में सफल रहे। ब्राजील चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि लैटिन अमेरिका में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव और मजबूत होगा या वामपंथी नेतृत्व मजबूत रहेगा। मतदान और नतीजों से पहले आए सर्वेक्षणों में दोनों उम्मीदवारों के बीच काटे की टक्कर दिखाई गई थी। वामपंथी विचारधारा

सुर्खियों में रहे हैं। चुनाव में प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका की तरफ झुकाव रखने के साथ ट्रंप के सहयोगी भी रहे हैं। फ्लावियो, जेल में बंद ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। इस महीने की शुरुआत में हुए चुनाव के पहले चरण में फ्लावियो ने लूला से 22 लाख से अधिक वोट हासिल किए थे। हालांकि, करीब 16 करोड़ मतदाताओं वाले देश में 3.30 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान नहीं किया था, जबकि ब्राजील में मतदान करना अनिवार्य है। अमेरिका के साथ संबंधों, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर लूला और फ्लावियो के विचार एक-दूसरे से काफी अलग हैं। फ्लावियो की जीत से लैटिन अमेरिका के सबसे अधिक

छात्रों ने पलटी बाजी: वुसिक की सत्ता खत्म, राष्ट्रपति ने खुद मानी हार; 2017 में संभाली थी कमान

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। करीब दो साल से सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती नतीजों के आधार पर लंबे समय से सत्ता में काबिज अलेक्जेंडर वुसिक ने हार मान ली है। इस चुनाव को सर्बिया के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। छात्रों की अगुवाई वाले समूह को संसद में बहुमत मिलने के आसार हैं। नतीजों के शुरुआती संकेत मिलते ही राजधानी बेलग्रेड में लोगों ने जश्न मनाया शुरू कर दिया।

वुसिक ने खुद स्वीकार की हार वुसिक ने रविवार को बेलग्रेड में अपनी पार्टी के मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती आंकड़ों से साफ है कि उनकी पार्टी चुनाव हार रही है। वुसिक के मुताबिक, 250 सीटों वाली संसद में छात्र समर्थित समूह को 135 से 140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उनकी पार्टी को करीब 105 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी अंतिम नतीजे आने बाकी हैं। चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी के शुरुआती अनुमानों ने भी छात्रों की बढ़त के संकेत दिए। सर्वे के मुताबिक, छात्र आंदोलन से जुड़े उम्मीदवारों को करीब 138 सीटें



मिल सकती हैं। वहीं, वुसिक की सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी को 104 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया। बाकी सीटें जातीय अल्पसंख्यकों की पार्टियों के खाते में जा सकती हैं। अगर ये अनुमान अंतिम नतीजों में बदलते हैं, तो सर्बिया की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है। चुनाव के शुरुआती नतीजे सामने आते ही बेलग्रेड में छात्रों और उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र आंदोलन के मुख्यालय में लोग 'जीत, जीत' के नारे लगाते दिखे। कहीं तालियां बज रही थीं, तो कहीं लोग एक-एक कर आगे बढ़ रहे थे। हालांकि, सर्बिया में सत्ता परिवर्तन की पूरी तस्वीर अंतिम चुनाव परिणामों और आगे बनने वाली सरकार पर निर्भर करेगी। फिलहाल इतना साफ है कि छात्रों के आंदोलन ने देश की राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि जीत का जश्न मनाने के बाद अब देश के भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। इस चुनाव की एक बड़ी खासियत भारी मतदान रहा। चुनाव निगरानी संस्थाओं श्वस्स्टुड और दूब्रह्मर के मुताबिक, रविवार शाम सात बजे तक 67.6 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। बताया गया कि 1992 में यूगोस्लाविया के विघटन के बाद यह सबसे अधिक सर्वेक्षणों में तस्वीर साफ नहीं थी। माना जा रहा था कि मुकाबला कड़ा होगा और छात्रों के आंदोलन को चुनाव में कितनी सफलता मिलेगी, यह कहना मुश्किल है। लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के मतदान के लिए बाहर निकलने से सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दीं।

मतदान से पहले पीएम ने नेतन्याहू के तेवर बदले, 7 अक्टूबर 2023 की चूक पर देश की जनता कि तनी नाराज

तेल अवीव, एजेंसी। इसाइल में 27 अक्टूबर को होने वाले संसदीय चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक सरगमी अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में हैं, लेकिन उनके खिलाफ जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी तेल अवीव समेत कई हिस्सों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया है। हमसफ के हमलों और गाजा व ईरान युद्ध के बाद हो रहा पहला चुनाव नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य का जनमत संग्रह माना जा रहा है। नेतन्याहू अपनी सुरक्षा नीतियों और कड़े रुख के जरिये मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। कभी सीमित और रक्षात्मक कदमों के पक्षधर रहे नेतन्याहू ने अब गाजा, लेबनान और ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई को अपनी सबसे बड़ी युगसंपी बना लिया है। उन्होंने दक्षिणपंथी मतदाताओं को एकजुट करने पर पूरा जोर दिया है ताकि बहुमत का आंकड़ा (61 सीटें) जुटाया जा सके। सुरक्षा और खुफिया चूक की जवाबदेही चुनाव का

सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों और आम जनता का आरोप है कि नेतन्याहू 7 अक्टूबर 2023 के हमलों से जुड़ी विफलताओं की अपनी सत्ता बचाने से बच रहे हैं। इस आंदोलन को विपक्षी दलों का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। तेल अवीव के होस्टेज स्क्वायर पर उमड़ी हजारों की भीड़ ने नेतन्याहू के खिलाफ तीखा रोष प्रकट किया। इस दौरान विपक्षी नेता और याशर पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट को भारी समर्थन मिला, जिन्हें नेतन्याहू का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में भी आइजनकोट आगे चल रहे हैं। एजेंसी नेतन्याहू ने रविवार को एआई से बनी इसाइल पर परमाणु बम गिरने की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा है कि इसाइल के सामने अस्तित्व का खतरा है। अगर ईरान ने परमाणु हथियार हासिल कर लिए, तो बाकी किसी चीज का कोई मतलब नहीं रहे जाएगा। ईरान से पैदा होने वाले खतरे के सामने बाकी सभी मुद्दे मामूली हैं। वहीं, विपक्षी नेता याशर गोलांन ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू लोगों में डर फैला रहे हैं।

'खत्म की ईरान की परमाणु क्षमता': ट्रंप का दावा, कहा- होर्मुज से बढ़ी तेल सप्लाई

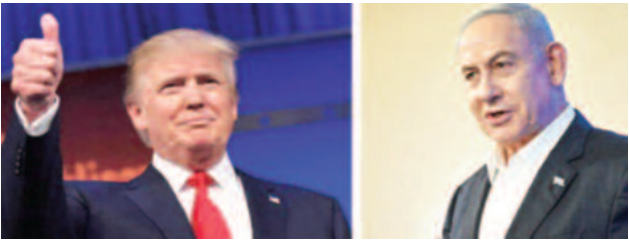
वॉशिंगटन/रियाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति देना गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। ट्रंप के मुताबिक, संभावित परमाणु संघर्ष को रोकने के लिए पहले ही कार्रवाई करना जरूरी था। मिश्रिण में रैली से पहले ट्रंप ने कहा, 'आप समस्याएं देखना चाहते हैं आप सिर्फ ऊर्जा से जुड़ी समस्याएं नहीं, बल्कि मौत से जुड़ी समस्याएं भी देखना चाहते हैं उन्हें परमाणु हथियार रखने दीजिए, क्योंकि वे उसका इस्तेमाल करेंगे। मुझे पहले ही यह कार्रवाई करनी थी। जब मैंने यह किया, तब मुझे पता था कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को बुरी



तरह तबाह कर दिया है। आप जानते हैं, यह नुकसान किसी की भी कल्पना से कहीं ज्यादा था। वह खत्म हो चुकी है।' वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंकाओं के बीच ट्रंप ने दावा किया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से अब युद्ध से पहले के मुकाबले अधिक तेल का परिवहन हो रहा है। उन्होंने इसका श्रेय अमेरिकी नौसेना

की नाकेबंदी और सैन्य अभियानों को दिया। ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता था कि इससे कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी होगी। अब अगर आप देखें, तो कल वॉल स्ट्रीट जर्नल के पहले पन्ने पर था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाला तेल अब युद्ध से पहले के स्तर से भी आगे निकल गया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने नाकेबंदी की है और हमारी सेना, खासकर हमारी नौसेना ने शानदार काम किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने समुद्री नाकेबंदी कर रखी है और इस समय के होर्मुज से युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले ज्यादा तेल निकल रहा है।' इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि भविष्य में युद्ध होता है या नहीं, इससे ईरान की नीतियों पर असर नहीं पड़ेगा। ईरानी समाचार एजेंसी आईएसएफए के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी दी कि

तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई करना तर्कहीन होगा। अराघची ने कहा, 'आज फिर युद्ध की बातें हो रही हैं, लेकिन अब से मैं युद्ध के बारे में सोच रहा हूं। युद्ध हो या न हो, हमारी नीतियां अपनी जगह बनी रहेंगी।' सऊदी अरब में मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अमेरिका ने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके पात्र परिवार के सदस्यों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह फैसला नागरिक हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से पैदा हुए सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए लिया है। रिफाइनरियों और सऊदी अरब के कई अपने अर्थव्यवस्था तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

'बीबी को वोट दें': इसाइल चुनाव से पहले ट्रंप का नेतन्याहू को समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसाइल में होने वाले चुनाव से पहले एक बार फिर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने इसाइल के नागरिकों से नेतन्याहू को वोट देने की अपील करते हुए उन्हें एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री बताया। ट्रंप ने दोनों नेताओं के करीबी संबंधों और ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान का भी जिक्र किया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रथ सोशल पर एक पोस्ट में नेतन्याहू की तारीफ की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य अभियानों का हवाला देते हुए दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत और अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने लिखा, 'इसाइल के लोगों से, खासकर उन लोगों से जिन्होंने इसे नहीं देखा है, मैं एक सप्ताह पहले आपके प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू के समर्थन में दिए गए अपने बयान को साझा कर रहा हूं। जैसा कि सभी जानते हैं, यहां तक कि दुश्मन भी जानते हैं कि बीबी और मेरे बीच अच्छे संबंध रहे हैं और हमने मिलकर जीत हासिल की है।' उन्होंने लिखा, 'मैंने वेनेजुएला में हमला किया, जो इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियानों में से एक था। लेकिन

उससे पहले हमने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर चलाया, जिससे दुनिया के आतंकवाद को प्रयोोजित करने वाले सबसे बड़े देश को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका गया। इसके बाद हमने ऑपरेशन एपिक प्युरी चलाया। अब ईरान के पास न नौसेना है और न वायुसेना। उसकी सेना और अर्थव्यवस्था दोनों बुरी हालत में हैं। ईरान में महंगाई दर भी 301 प्रतिशत है। ' ट्रंप ने ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान को तेल नहीं मिल पा रहा है और उसके सैन्य तथा अन्य नेतृत्व के दो स्तर खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप मतदान करने जाएं, तो याद रखें कि बीबी एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री रहे हैं। कुछ बेहद बुरे लोगों ने इसाइल को 'छोटा शैतान' और अमेरिका को 'बड़ा शैतान' कहा था। ' ट्रंप ने इसाइल के लोगों से अभियान को पूरा करने की अपील करते हुए कहा, 'दुनिया भर में अब 'अमेरिकी की मौत हो, इसाइल की मौत हो' जैसे नारे नहीं सुनाई देने चाहिए और ऐसा नहीं होगा। प्रधानमंत्री के लिए बीबी नेतन्याहू को वोट दें। हमें उस काम को पूरा करना है, जिसकी शुरुआत हमने की थी।